दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 18 ■ दमण, रविवार 05 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ करते हुए कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

युवाओं की ताकत बढ़ने से राष्ट्र की मजबूती होती है: पीएम मोदी

■ भारत ज्ञान और कौशल का देश है, यह बौद्धिक शक्ति हमारी सबसे बड़ी शक्ति है: नरेन्द्र मोदी ■ आईटीआई न केवल औद्योगिक शिक्षा के प्रमुख संस्थान हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की कार्यशालाएं भी हैं: प्रधानमंत्री ■ भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जी ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा और शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया, उनके नाम पर स्थापित किया जा रहा कौशल विश्वविद्यालय उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा: प्रधानमंत्री ■ पीएम-सेतु योजना भारत के युवाओं को दुनिया की कौशल मांगों से जोड़ेगी: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, पीआईबी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में कौशल दीक्षांत समारोह के दौरान 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया। देश भर के आईटीआई से जुड़े लाखों छात्रों और बिहार के छात्रों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए बड़े पैमाने पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की एक नई परंपरा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि आज का दिन उस परंपरा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का समारोह भारत द्वारा कौशल विकास को दी जाने वाली प्राथमिकता का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में देश भर के युवाओं के लिए दो प्रमुख पहलों की शुरुआत की घोषणा की। श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि 60,000 करोड़ रुपये की पीएम सेतु योजना के तहत आईटीआई अब उद्योगों के साथ और अधिक मज़बूती से एकीकृत होंगे। उन्होंने कहा कि आज देश भर के नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1,200 कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस आयोजन की प्रारंभिक योजना विज्ञान भवन में एक दीक्षांत समारोह आयोजित करने की थी। उन्होंने कहा श्री नीतीश कुमार द्वारा इस अवसर को एक विशाल उत्सव में बदलने के प्रस्ताव के साथ यह एक भव्य समारोह - ₹सुनहरे आभूषणों से सुसज्जित एक ''पिटारे'' - में बदल गया। प्रधानमंत्री ने इस बात का उल्लेख किया कि इसी मंच से बिहार के युवाओं के लिए कई योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। इनमें बिहार में एक नए कौशल प्रशिक्षण विश्वविद्यालय की स्थापना, अन्य विश्वविद्यालयों में सुविधाओं का विस्तार, एक नए युवा आयोग का गठन और हज़ारों युवाओं को स्थायी सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र जारी करना शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहल बिहार के युवाओं के उज्जवल भविष्य की गारंटी हैं।

पीएम मोदी ने बिहार की महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता पर केन्द्रित लाखों बहनों के लिये हाल ही में आयोजित बड़े कार्यक्रम को याद करते हुए कहा कि बिहार में युवा सशक्तीकरण के लिए आज का यह विशाल कार्यक्रम राज्य के युवाओं और महिलाओं के प्रति उनकी सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ज्ञान और कौशल का देश है और यह बौद्धिक शक्ति इसकी सबसे बड़ी संपत्ति है। जब कौशल और ज्ञान राष्ट्रीय आवश्यकताओं के साथ जुड़ते हैं और उन्हें पूरा करने में योगदान देते हैं तो उनका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की माँग देश की आवश्यकताओं के अनुसार स्थानीय प्रतिभा, स्थानीय संसाधनों, स्थानीय कौशल और स्थानीय ज्ञान को तेज़ी से आगे बढ़ाने की है। इस मिशन में हज़ारों आईटीआई की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वर्तमान में आईटीआई लगभग 170 ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। पिछले 11 वर्षों में, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं ने इन विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी योग्यताएँ प्राप्त की हैं। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि ये कौशल स्थानीय भाषाओं में प्रदान किए जाते हैं, जिससे बेहतर समझ और सुगमता संभव होती है। इस वर्ष अखिल भारतीय ट्रेड टेस्ट में 10 लाख से ज़्यादा छात्रों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री को इस कार्यक्रम के दौरान उनमें से 45 से ज़्यादा को सम्मानित करने का अवसर मिला।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार विजेताओं में से काफी लोग भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों से हैं। उन्होंने इनमें बेटियों और दिव्यांग साथियों की उपस्थिति का जिक्र करते हुए समर्पण एवं दृढ़ता से अर्जित उनकी सफलता की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा ₹भारत के आईटीआई न केवल औद्योगिक शिक्षा के लिए प्रमुख संस्थान हैं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु कार्यशालाओं के रूप में भी काम करते हैं।₹ उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार आईटीआई की संख्या बढ़ाने और उन्हें निरंतर उन्नत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वर्ष 2014 तक देश में केवल 10,000 आईटीआई थे लेकिन पिछले एक दशक में लगभग 5,000 नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं। श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि आईटीआई नेटवर्क को वर्तमान उद्योग कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने और अगले दस वर्षों में भविष्य की मांगों का अनुमान लगाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इस दिशा में उद्योग और आईटीआई के बीच समन्वय बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने पीएम सेतु योजना शुरू करने की घोषणा की जिससे पूरे भारत में 1,000 से अधिक आईटीआई संस्थान लाभान्वित होंगे। इस पहल के माध्यम से आईटीआई को नई मशीनरी, उद्योग प्रशिक्षण विशेषज्ञों और वर्तमान एवं भविष्य की कौशल मांगों के अनुरूप पाठ्यक्रम के साथ उन्नत किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा ₹पीएम सेतु योजना भारतीय युवाओं को वैश्विक कौशल आवश्यकताओं से भी जोड़ेगी।

श्री मोदी ने आज के कार्यक्रम में बिहार के हज़ारों युवाओं के शामिल होने का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी शायद पूरी तरह से समझ नहीं पाएगी कि दो-ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी बदहाल थी। (समाचार का शेष पेज 3 पर)

उत्तमभाई नाथालाल मेहता : भारतीय उद्योग जगत के प्रेरक व्यक्तित्व

■ स्वदेशी दवाओं और ऊर्जा क्षेत्र में योगदान, 25,000 की पूंजी से शुरू हुआ कारोबार आज 21 अरब डॉलर का साम्राज्य है ■ वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) टोरेंट समूह के संस्थापक यू.एन. मेहता की विरासत का जश्न मनाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस) टॉरेंट समूह के संस्थापक और प्रेरक व्यक्तित्व उत्तमभाई नाथालाल मेहता (14 जनवरी, 1924 झ्र 31 मार्च, 1998) भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज कहे जाते हैं। उन्होंने उस समय स्वदेशी दवाओं का उत्पादन शुरू किया जब देश प्रमुख दवाओं के लिए आयात पर निर्भर था। सफल फार्मास्यूटिकल व्यवसाय की स्थापना के साथ-साथ उनके नेतृत्व में टॉरेंट पावर की स्थापना हुई, जिसने बिजली उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति दर्ज की। भारत गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहा था, तब टॉरेंट पावर की स्थापना के माध्यम से उन्होंने विश्व स्तरीय बिजली उत्पादन और वितरण सुविधाओं का निर्माण किया। उनका जीवन मंत्र था: ''निशान चूक माफ, नहीं माफ नीचां निशान'' बानासकांठा जिले के छोटे महेमदपुर गाँव में जन्मे उत्तमभाई नाथालाल महेता की प्रेरक यात्रा उत्तर गुजरात की उद्यमशीलता भावना का उदाहरण है। आज उन्हें एक दिग्गज उद्योगपति के रूप में याद किया जाता है, लेकिन उनका प्रारंभिक जीवन कई चुनौतियों, आर्थिक तंगी, व्यावसायिक असफलताओं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भरा था। वे एक अत्यंत गरीब परिवार में जन्मे और मात्र 2 वर्ष की उम्र में अपनी माता को खो दिया। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे मुंबई गए और विल्सन कॉलेज से रसायन शास्त्र में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। परिवार की आर्थिक कठिनाइयों के कारण उन्हें उच्च शिक्षा का सपना छोड़कर 1944 में सरकारी नौकरी करनी पड़ी। इसके बाद उन्होंने 1945 से 1958 तक बहुराष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल कंपनी सेन्डोज़ के लिए मेडिकल प्रतिनिधि के रूप में काम किया। वर्ष 1959 में उन्होंने अहमदाबाद में केवल रु. 25,000 की पूंजी के साथ ट्रिनिटी लैबोरेट्रीज़ (अब टॉरेंट फार्मा) की स्थापना की। हालांकि, व्यवसाय स्थापना का पहला प्रयास असफल रहा, जिसके कारण उन्हें गाँव की ओर लौटना पड़ा और वर्षों तक वहीं रहना पड़ा। लेकिन ''निशान चूक माफ, नहीं माफ नीचां निशान'' के जीवन मंत्र के साथ उत्तमभाई मेहता 48 वर्ष की उम्र में फार्मास्यूटिकल व्यवसाय के दूसरे प्रयास में सफल हुए। गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के बावजूद दूसरों के लिए आशा की किरण फार्मास्यूटिकल व्यवसाय के दिग्गज कहलाने वाले उत्तमभाई नाथालाल मेहता को जीवन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। 39 वर्ष की आयु में दी गई दवा के साइड इफेक्ट के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ हुईं। 53 वर्ष की उम्र में उन्हें कैंसर का दुर्लभ प्रकार पाया गया, जिससे धीरे-धीरे हृदय संबंधी समस्याएं शुरू हुईं और अंततः 62 वर्ष की आयु में हृदय बायपास सर्जरी हुई। इन विपरीत परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए वे दूसरों के जीवन में आशा की किरण बन गए। सामाजिक योगदान और विरासत 1968 में उत्तमभाई महेता ने मानसिक रोगों से संबंधित दवाओं का विपणन करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो उस समय किसी भी भारतीय कंपनी के लिए साहसिक और असामान्य था। आज टॉरेंट समूह स्वास्थ्य देखभाल, ऊर्जा और खेल जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता दिखा रहा है। एक अत्यंत सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ यू.एन. महेता एक प्रतिबद्ध सामाजिक नागरिक भी थे। उन्होंने अपने जीवन के उत्तरार्ध में यूएनएम फाउंडेशन की स्थापना की और विभिन्न सामाजिक कार्यों में योगदान दिया। यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर

(यूएनएमआईसीआरसी) जैसी संस्थाएं आज भी समाज के वंचित वर्गों की सेवा कर रही हैं। उनकी पत्नी शारदाबेन भी कन्या शिक्षा और बाल स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सक्रिय थीं और यूएनएमआईसीआरसी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके चार बच्चे झ्र सुधीर, समीर, मीना और नयना झ्र भी माता-पिता के मार्ग पर चलते हुए सामाजिक कल्याण में योगदान दे रहे हैं। 31 मार्च 2025 तक टॉरेंट समूह का बाजार पूंजीकरण 21.5 अरब डॉलर से अधिक दर्ज किया गया। वर्ष 2024 में यू.एन. महेता की जन्म शताब्दी के सम्मान में, महेता परिवार ने यूएनएम फाउंडेशन को 5 वर्षों में रु. 5000 करोड़ दान देने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के व्यक्तियों को स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, ज्ञान वृद्धि, पारिस्थितिकी, सामाजिक कल्याण, कला और संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में लाभ पहुंचाना है। यू.एन. मेहता का अद्भुत जीवन उन लोगों के लिए आशा की किरण है जिन्होंने जीवन की सारी आशा खो दी थी। गुजरात सरकार भी वाइब्रेंट गुजरात रिजनल कॉन्फ्रेंसिस के माध्यम से इस बात पर जोर देती है कि यू.एन. मेहता जैसे दूरदर्शी नेता किस प्रकार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बदल सकते हैं और दृढ़ संकल्प के माध्यम से समावेशी विकास को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ने स्वदेशी चीजें अपनाने पर दिया जोर: दमण भाजपा कार्यालय पर की प्रेस ब्रिफिंग

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की संयोजक फाल्गुनी पटेल ने हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की दी जानकारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 04 अक्टूबर। दमण भाजपा कार्यालय पर आज स्वदेशी चीजों का जीवन में ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने को लेकर प्रदेश भाजपा द्वारा प्रेस ब्रिफिंग का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संघ प्रदेश थ्रीडी अध्यक्ष महेश आगरिया ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भाजपा ने स्वदेशी चीजों को अपनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी जनप्रतिनिधियों को और भाजपा पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं का आह्वान करता हूं कि देश में बनी स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि आनेवाले दीपावली पर्व पर सभी लोग स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें जिससे हमारे देश की इकोनॉमी बढेगी। इस अवस पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की संयोजक फाल्गुनी पटेल ने हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी पर जानकारी देते हुए कहा है कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान में भारत को आर्थिक और सामाजिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह एक राष्ट्रीय पहल है। मुझे खुशी है कि हमारे देश में इस अभियान का एक नारा हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी है। इस नारे के साथ वोकल फॉर लोकल का संदेश हमें घर-घर तक पहुंचाना है। हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में हमारा भारत देश अभी आत्मनिर्भरता की ओर बढ रहा है। हमें बताते हुए खुशी होती है कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे देश में अत्याधुनिक तकनीकी से निर्मित स्वदेशी मिसाइलों से अपने दुश्मन देश पाकिस्तान के ऊपर हमला किया है और अंदर घुसकर आतंकवादियों को ढेर किया है। कोविड जैसी महामारी के दौरान भी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमने स्वदेशी वैक्सीन बनाई, देशवासियों को यह सेवा उपलब्ध कराई गई और 59 देशों में भी यह स्वदेशी वैक्सीन पहुंचाकर पीएम मोदी ने यह दिखा दिया है कि हमारा भारत देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ रहा है। (समाचार का शेष पेज 3 पर)

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल होगा, सीएम फडणवीस ने घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक तौर पर लोकनेते डीबी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा जाएगा। यह निर्णय नवी मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है और दिवंगत लोकनेते दिनकर बालू पाटिल के किसानों के अधिकारों और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करता है। इस नामकरण प्रस्ताव को महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल और राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी यह मामला रखा गया है, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार हवाई अड्डों के नामकरण के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर रही है। इस नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही राज्य सरकार के स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर हवाई अड्डे के नामकरण को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की जाएगी। हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज सभी लंबित पुलिस मामलों को वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित होने से बचाना है। कोविड-19 अवधि के दौरान दर्ज मामलों को भी कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए : अनुराग ठाकुर

मदुरै (एजेंसी)। मंडी,(ईएमएस)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंडी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए मोदी सरकार ने कई बड़े प्रोजेक्ट और हजारों-करोड़ की योजनाओं को लागू किया है। सांसद ठाकुर ने राज्य सरकार पर निशाना साधकर कहा, 'जब अपनी विफलताओं के लिए जनता सवाल पूछ रही है, तब कांग्रेस सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने में लगी है। मगर हिमाचल की जनता अच्छी तरह जानती है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वहां करके दिखाते हैं।

भाजपा सांसद ने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। सांसद ठाकुर ने कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि जनता को गुमराह करने की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की विकासपरक नीतियों पर फिर विश्वास जताएगी।

सीमा पर मंडराता दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, सुरक्षा बल अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांव के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता दिखा। इसे लेकर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार देर रात ड्रोन जैसी एक वस्तु आती दिखी, जो रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव के ऊपर मंडराती रही जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में बल सतर्क हो गए। सुरक्षा बलों और पुलिस दलों को इलाके की तलाशी लेने तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों जैसी कोई भी सामग्री गिराई तो नहीं गई। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दूसरी ओर, सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का अमृतसर में भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 1.50 किलोग्राम हेरोइन और 12 पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तरनतारन के गांव मारी मेघा निवासी जोबन सिंह, करणदीप सिंह उर्फ पंडित और अजयपाल सिंह, अमृतसर के गांव रानिया निवासी जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई। 16 साल का एक किशोर को भी हिरासत में लिया गया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर दो महिलाओं से 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई ने एक बड़े ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि डीआरआई मुंबई की विभागीय इकाई ने बैंकॉक से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची दो महिला यात्रियों से अवैध रूप से तस्करी कर लाई गई 7.95 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 79.5 करोड़ रुपये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से मुंबई पहुंची दो महिला यात्रियों को डीआरआई अधिकारियों ने खुफ़िया जानकारी के बाद हवाई अड्डे पर रोक लिया। उनके सामान की जांच के दौरान खिलौनों के एक पैकेट में छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। खिलौनों के एक डिब्बे में सफेद पाउडर के ईंट के आकार के 22 पैकेट छिपाए गए थे। इन सभी पैकेटों को जब्त कर लिया गया और मौके पर ही प्रारंभिक जांच की गई। एनडीपीएस फील्ड किट से की गई जांच में पुष्टि हुई कि वह पदार्थ कोकीन है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है: सिंघवी

- ऑपरेशन सिंदूर के बयान पर कांग्रेस नेता अजय को पार्टी के ही नेता ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर शक जाहिर करने वाले कांग्रेस नेता अजय राय घिरते नजर आ रहे हैं। बता दें शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान पर पाकिस्तान को लताड़ा था। इनके संबोधन के बाद कांग्रेस नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि 'कुछ तो गड़बड़' है। दरअसल, उन्होंने एयर चीफ मार्शल और सीडीएस के बयान को विरोधाभासी बताया था। बीजेपी ने हमला करते हुए उनको सेना के मनोबल गिराने का आरोप लगाया था। लेकिन, अब अजय राय अपनी पार्टी के नेता से घिरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट किया है।

सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करने वाले अजय राय अपनी ही पार्टी के नेता के बयान से घिरते हुए नजर आ रहे हैं। सिंघवी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, सिंघवी ने लिखा- भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा ज़ोरदार है। जैसा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पुष्टि की है, पाकिस्तान के 'शीर्ष हथियार' एफ-16 और जेएफ-17 उनके झूठे बयानों से भी तेजी से गिरे। जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है! सिंघवी के इस पोस्ट से तो अजय राय के सवाल भी बिखर कर गिर गए होंगे।

एयरफोर्स के 93वें स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई एयरफील्ड और एसेस्ट्स का नुकसान हुआ। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक उनके 3 हैंगर और टारमेक को निशाना बनाया गया। हमने 6-7 एयरक्राफ्ट को मार गिराया, जो कि उन जगह पर मौजूद थे। इसमें जे-130 और एफ-16 हो सकते हैं। साथ ही हमने एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक में पाकिस्तान के 5 हाईटेक फाइटर मार गिराए हैं।

वायुसेना अध्यक्ष और थल सेनाध्यक्षों के बयान के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा कर दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सफाई दी जा रही है। इससे साबित होता है कि कुछ तो गड़बड़ है। इनके तमाम आला अधिकारी भी अलग-अलग बयान देते हैं। जो दर्शाता है कि अंदर कुछ बहुत गंभीर चल रहा है। पीएम मोदी को देश के लोगों के सामने सब कुछ साफ करना चाहिए।

सरकार जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती, बुलडोजर एक्शन कानून का उल्लंघन : सीजेआई गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है, कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी कानून के शासन से चलती है, इसमें बुलडोजर एक्शन की जगह नहीं है। सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे। सीजेआई गवई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि कोर्ट ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन तय करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

कंपनियों ने ट्रंप को लेटर लिख बता दिया एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस को बढ़ाकर 88 लाख करने के फैसले ने अमेरिकी कंपनियों की नींद उड़ा रखी है। कंपनियों ने पत्र लिखकर ट्रंप को समझा दिया है कि फीस बढ़ाने परिणाम क्या होंगे। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं। पत्र में कहा गया है कि वीसा फीस बढाने से कंपनियों को कुशल कर्मचारी मिलने में बहुत कठिनाई होगी और उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उद्योग तबाह हो जाएंगे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था गर्त मे चली जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ट्रंप को भेजे गए एक पत्र में, चिपमेकर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रिटेलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब दर्जनभर उद्योग संगठनों ने कहा कि नया वीजा शुल्क विदेशी प्रतिभा से अमेरिकी कंपनियों को वंचित कर देगा और बहुत से महत्वपूर्ण पद खाली रहे जाएंगे। जिन उद्योग संगठनों ने पत्र लिखा है कि उनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। ये कंपनियां वर्षों से ये कंपनियां एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर निर्भर रही हैं। पत्र में उद्योगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह एच-1बी कार्यक्रम में सुधार करें, लेकिन ऐसे बदलाव न करें जो कंपनियों के लिए अतिरिक्त बोझ बनें। उन्होंने लिखा, हम चाहते हैं कि प्रशासन उद्योग के साथ मिलकर सुधार करे, न कि कंपनियों की भर्ती, प्रशिक्षण और प्रतिभा बनाए रखने की चुनौतियों को और बढ़ाए। सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन, नेशनल रिटेल फेडरेशन, बिज़नेस सॉफ्टवेयर एलायंस और एंटरटेनमेंट सॉफ्टवेयर एसोसिएशन जैसे समूहों ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सभी ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन के साथ मिलकर सुधार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन नए शुल्क से कंपनियों की प्रतिभा आपूर्ति श्रृंखला खतरे में पड़ सकती है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर मगरमच्छ के आँसू बहाने वाली कांग्रेस... आपातकाल भूल गई क्या

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की जमकर खिंचाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की फिर जमकर घेराबंदी की है। सांसद दुबे ने सोनम वांगचुक का समर्थन करने पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आपातकाल के दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजया राजे सिंधिया और आंध्रप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर की गिरफ्तारी का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यों को लेकर कांग्रेस पर तंज कस दिया है।

बीजेपी सांसद दुबे ने कांग्रेस से सवाल किया कि आप किस संविधान का हवाला दे रहे हैं, जब 1975 में बीजेपी की संस्थापक सदस्य और ग्वालियर राजघराने की महारानी राजमाता सिंधिया को गिरफ्तार किया था। उनके घर पर आयकर विभाग के छापे पड़े थे। सांसद दुबे ने कहा कि उन्हें और गायत्री देवी को तिहाड़ जेल की उस कोठरी में बंद किया गया था, जहां शौचालय की सुविधा तक नहीं थी और आप आज महिला सशक्तिकरण की दम भर रहे हैं।

बीजेपी सांसद ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पीछे विदेशी ताकत का होने का आरोप लगाकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने की मांग पूरी की। सांसद ने कहा कि आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। लद्दाख में लोग मारे गए। वांगचुक पहले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांगते थे।

सांसद ने कहा लेकिन वांगचुक अब एक विदेशी ताकत के शामिल होने के बाद, वे राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। कांग्रेस ने बीते 30 सालों में कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने आपको केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया।

बीजेपी सांसद ने स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल सच्चर की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि पुलिस ने उन्हें जमीन पर घसीटकर गिरफ्तार किया था। और आप लोकतंत्र की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी सांसद दुबे ने पोस्ट में लिखा कि इंदिरा गांधी ने ग्वालियर की महारानी और भाजपा की संस्थापक राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी को तिहाड़ जेल में मृत्युदंड की कोठरी में बंद करवाया था, जहाँ शौचालय की भी सुविधा नहीं थी। उन्होंने लिखा कि हैरानी की बात है कि सिर्फ एक पत्र लिखने के लिए, स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर साहब को 82 साल की उम्र में पुलिस यातनाओं के साथ जेल भेजा गया था। आज यही कांग्रेस लद्दाख हिंसा के बाद गिरफ्तार लोगों के लिए मगरमच्छ के आँसू बहा रही है।

बीजेपी सांसद की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध किया है और केंद्र से लद्दाख के लोगों से उनकी राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की माँग पर बातचीत करने का अनुरोध किया है।

अभिनेता संजय दत्त पर भड़की कांग्रेस कहा- नायक नहीं... नालायक है तू...

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता संजय दत्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की जमकर तारीफ कर दी। उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे संघ के सौ साल पूरे होने पर उसकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया और देश की सबसे पुरानी पार्टी ने संजय दत्त को नालायक तक कह दिया। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने संजय दत्त पर बेहद कड़ा प्रहार करते हुए कहा, नायक नहीं, खलनायक है तू। अपने पिता का नालायक है तू। बता दें कि संजय दत्त के पिता सुनील दत्त कांग्रेस के दिग्गज नेता हुआ करते थे। वह सांसद भी रहे। वहीं, उनकी बहन प्रिया दत्त भी कांग्रेस से जुड़ी हैं। संजय दत्त ने दोनों की विचारधारा के विपरीत जाकर संघ की प्रशंसा की है। सुरेंद्र राजपूत के बयान पर अब तक संजय दत्त की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। संजय दत्त ने 2 अक्टूबर के दिन अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, संघ हमेशा देश के साथ खड़ा रहा है, खासकर संकट और मुश्किल समय में। इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर विवाद और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। बता दें कि संजय दत्त पहले कई विवादों में घिरे थे। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस में उन्हें गैरकानूनी हथियार रखने के आरोप में टाडा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में वे टाडा के आरोपों से बरी हुए, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए गए और उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी।

सावधान महाराष्ट्र! आज से लेकर 7 तक कभी भी दस्तक दे सकता है चक्रवात शक्ति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई इलाकों के लिए संकट खड़ा कर सकता है चक्रवात शक्ति। आज यानी शनिवार से लेकर 7 अक्टूबर तक कभी ये तूफान दस्तक दे सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग आदि जिलों में इसका असर दिखाई देगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

आईएमडी के मुताबिक, समुद्री स्थिति खराब होने के कारण उत्तरी महाराष्ट्र तट पर 5 अक्टूबर तक समुद्र की सतह पर बदलाव देखने को मिलेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों जैसे पूर्वी विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। साथ ही, उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में घने काले बादल छाए रहेंगे। इस दौरान वातावरण में नमी की घुसपैठ के कारण भारी बारिश होगी और बाढ़ की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए है। 4 से 5 अक्टूबर के बीच उत्तरी महाराष्ट्र तट पर हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा और झोंके के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात की तीव्रता के आधार पर हवा की गति बढ़ सकती है। हालातों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने चक्रवात शक्ति की चेतावनी को देखते हुए कुछ निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासनों को अपने आपदा प्रबंधन सिस्टम सक्रिय करने, तटीय और निचले इलाकों में नागरिकों के लिए निकासी योजनाएं तैयार करने, पब्लिक एडवाइजरी जारी करने और समुद्री यात्रा से बचने की सलाह शामिल है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरक्षा उपाय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

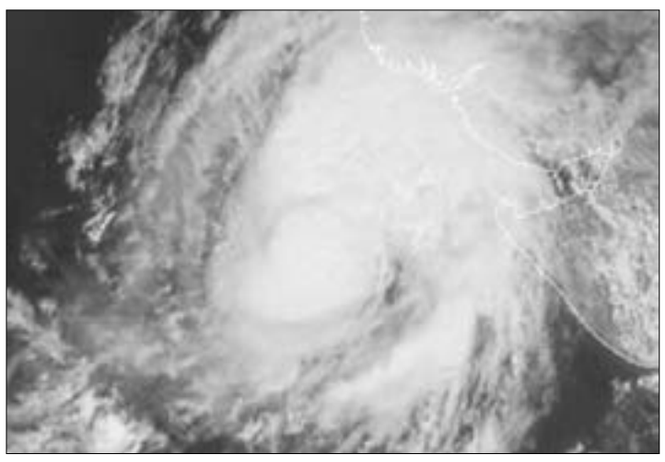

करुर भगदड़ के बाद हाईकोर्ट का आदेश: हाईवे पर नहीं होगी रैली और रोड शो

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करुर की रैली में मची भगदड़ के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हाईवे राजनैतिक रैलियां और रोड शो के लिए नहीं है। इस पर तत्काल रोक लगाएं। अदालत ने यह आदेश 4 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इनमें अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश मांगे गए थे। यह पाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ऐसे आयोजनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं हो जाती।

राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित स्थानों को छोड़कर किसी भी सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। जज सेंथिलकुमार ने

तमिलनाडु पुलिस की हाल ही में विजय के कैंपेन बस से संबंधित दुर्घटना को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने पूछा कि क्या कोई मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, केस दर्ज करने से क्या रोकता है? भले ही कोई शिकायत न दी जाए, पुलिस को स्वयं मामला दर्ज करना चाहिए।

जमानत याचिका खारिज, एसआईटी गठित

हाई कोर्ट ने टीवीके के दो सीनियर पदाधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं 27 सितंबर को करूर में पार्टी की रैली में हुई भगदड़ के सिलसिले में दायर की गई थीं। अदालत ने टीवीके के प्रदेश महासचिव बुस्सी एन आनंद और उप महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिन्हें घटना के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी में नामजद किया गया है।मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा।

रेलवे भर्ती संकट: मौतों और बेरोज़गारी की बढ़ती चुनौती, एनसीबीआर के आंकडे कर रहे पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रेलवे न केवल एशिया का सबसे बड़ा नियोक्ता है बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए रोज़गार का प्रमुख स्रोत भी है। हर साल लाखों युवा इसकी नौकरी पाने का सपना देखते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में रेलवे भर्ती प्रक्रिया में लेट-लतीफी ने युवाओं के विश्वास को झकझोर कर रख दिया है और वहीं दूसरी तरफ मौतों की संख्या बढ़ा दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़े इस गंभीर स्थिति की पुष्टि करते नजर आ रहे हैं।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए हर साल ग्रुप-डी से लेकर तकनीकी और क्लर्क पोस्ट तक हज़ारों-लाखों आवेदन युवा करते हैं। हालांकि, कई बार विज्ञापन निकलने के बावजूद परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती हैं या रिज़ल्ट समय पर जारी नहीं होते हैं। कभी-कभी नियुक्ति पत्र मिलने में सालों लग जाते हैं। इस लगातार लंबित प्रक्रिया ने बेरोज़गार युवाओं को निराशा की गहरी खाई में धकेलने का काम किया है। एनसीबीआर के आंकड़ों से पता चलता है कि रेलवे से जुड़ी मौतों में लगातार इज़ाफ़ा हुआ है। इनमें आत्महत्या, दुर्घटनाएं और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में होने वाली मौतें शामिल हैं। विशेषकर युवाओं का बड़ा हिस्सा उन उम्मीदों के टूटने की वजह से ट्रैक या अन्य स्थानों पर अपनी जान गंवा रहा है। कई राज्यों में युवाओं ने स्पष्ट रूप से लिखा है, कि रेलवे भर्ती न होने के कारण जीवन बेकार हो गया। आरोप है कि सरकार की संवेदनहीनता इस संकट को और गंभीर बना रही है। बार-बार स्थगित परीक्षाओं और अधूरी भर्ती प्रक्रिया ने युवा आंदोलनों और धरनों को जन्म दिया। 2022 में देशभर में आरआरबीएनजाम और रेलवे रिक्रायरमेंट जैसे हैशटैग के माध्यम से लाखों उम्मीदवारों ने अपनी नाराज़गी जताई। कई जगह पुलिस कार्रवाई भी हुई, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकला।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे भर्ती प्रक्रिया को तुरंत पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। इसके साथ ही बेरोज़गार युवाओं के लिए वैकल्पिक रोज़गार, स्किल डेवलपमेंट और कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम को मज़बूत किया जाना आवश्यक है। युवाओं के प्रति सरकार का संवेदनशील रवैया ही इस संकट का स्थायी समाधान साबित हो सकता है। रेलवे भर्ती केवल नौकरी का अवसर नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों की डोर है। जब यह डोर टूटती है तो न केवल परिवार बिखरते हैं बल्कि देश का भविष्य भी संकट में पड़ता है। एनसीबीआर के आंकड़े चेतावनी हैं कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बेरोज़गारी और आत्महत्याओं का यह सिलसिला और तेज़ हो जाएगा।

आरबीआई ने दो फाइनेंस कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

क्रेडिट कार्ड व केवायसी नियमों के उल्लंघन का मामला

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े नियमों का पालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च 2024 तक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाईं। जांच में सामने आया कि अमेरिकन एक्सप्रेस ने कुछ क्रेडिट कार्डधारकों के असफल या गलत लेनदेन से बने क्रेडिट बैलेंस को ग्राहकों को वापस लौटाने का प्रयास नहीं किया। इस लापरवाही को RBI ने गंभीर नियामक उल्लंघन माना है। इसी दौरा आरबीई ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर भी 4.2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 में वितरित कुछ ऋण खातों में पैन कार्ड या संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रही। यह उल्लंघन 'केवाईसी निर्देश, 2016' के प्रावधानों के खिलाफ माना गया। RBI ने इस लापरवाही को नियामक अनुपालन में कमी बताया। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन की कमियों के कारण लगाए गए हैं। इन जुर्मानों का कंपनियों के कारोबार या उनके लेन-देन की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आरबीआई की यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए की गई है।

अगले सप्ताह आएंगे पांच बड़े आईपीओ

27000 करोड़ तक जुटाने की तैयारी

मुंबई

इस सप्ताह शेयर बाजार में आईपीओ का बड़ा धमाल लेकर आ रहा है। करीब 27,000 करोड़ के फंड जुटाने की तैयारी के साथ कुल 29 लिस्टिंग्स होने जा रही हैं। इस आईपीओ वेव की अगुवाई टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कर रही हैं, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। टाटा कैपिटल, एक अग्रणी एनबीएफसी का आईपीओ 6 से 8 अक्टूबर तक खुलेगा। कुल साइज 15,500 करोड़ का है, जिसमें 6,846 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 8,666 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। टाटा सॉन्स और आईएफसी अपने शेयर बेचेंगे। इसके बाद एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडियो का आईपीओ 7 से 9 अक्टूबर तक खुलेगा। यह पूरी तरह ओएफएस होगा, जिसमें साउथ कोरियन पैरेंट कंपनी 10.18 करोड़ शेयर बेचेगी, जिससे 11,600 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 1,080-1,140 रुपए है और न्यूनतम निवेश 14,904 रुपए तय किया गया है। इसके अलावा भी कई बड़े आईपीओ लाइन अप हैं- वीवर्क इंडिया (3,000 करोड़), रुबिकॉन रिसर्च (1,377 करोड़), एनएसडीएल, एचडीबी फाइनेंशियल और अनंतम हाईवेज ट्रस्ट जैसे नाम शामिल हैं।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका में टैरिफ से राहत मिलने की संभावना

मुंबई

भारतीय दवा कंपनियां अमेरिका की दिग्गज कंपनी फाइजर के नक्शेकदम पर चलकर अमेरिका में दवाओं पर लगने वाले टैरिफ में कटौती के लिए समझौता कर सकती हैं। अमेरिकी सरकार पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा रही है, जिससे भारतीय कंपनियों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों के अनुसार यदि भारतीय कंपनियां अमेरिका में मेडिकेड और मेडिकेयर कार्यक्रमों के तहत दवाओं की कीमतें कम करने पर सहमत होती हैं, तो वे टैरिफ से बच सकती हैं। फाइजर ने अमेरिका में मेडिकेड प्रोग्राम में अपनी दवाओं के दाम अन्य विकसित देशों के स्तर पर कम करने का समझौता किया है, जिससे उसे टैरिफ में राहत मिली है। नुवामा के विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय कंपनी सन फार्मास्युटिकल अगर इसी तरह कोई समझौता करती है या अमेरिका में विनिर्माण शुरू करती है, तो वह भी टैरिफ से बच सकती है। सन फार्मास्युटिकल की प्रमुख दवा इलुम्या का अधिकांश राजस्व मेडिकेयर कार्यक्रम से आता है, जो 65 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले लोगों के लिए है। मेडिकेयर संघीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम है जो बुजुर्गों और कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को कवर करता है, जबकि मेडिकेड संयुक्त राज्य और राज्य सरकारों का कार्यक्रम है जो कम आय वाले परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है। मेडिकेयर की पात्रता उम्र और विकलांगता पर आधारित होती है, जबकि मेडिकेड आय और परिवार की स्थिति पर निर्भर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी नई दवाओं के लिए 'सर्वाधिक पसंदीदा देश' (एमएफएन) के तहत दाम तय करने की नीति लागू की है, जिससे अमेरिकी बाजार में दवाओं की कीमतें कम हो सकती हैं।

भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 87 फीसदी बढ़ी

अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर, दक्षिण कोरिया-जापान सूची में टॉप पर

नई दिल्ली

भारत में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही में 87 फीसदी तक बढ़ गई है, जो देश में उपभोक्ताओं के बीच नए तकनीक वाले फोन को अपनाने की बढ़ते ट्रेंड को दिखाता है। डेटा के मुताबिक भारत अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर है।

किसी देश की रैंकिंग उसके कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हिस्से के आधार पर तय होती है। 2023 की पहली छमाही में यह हिस्सेदारी 47 फीसदी थी और देश 40वें स्थान पर था। 2024 की पहली छमाही में यह बढ़कर 74 फीसदी हो गई और भारत 29वें स्थान आ गया। हालांकि, भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

ज्यादातर विकसित देशों में 5जी की हिस्सेदारी 90 फीसदी या उससे ज्यादा है। इसका कारण यह है कि 30 करोड़ से ज्यादा भारतीय अभी भी 2जी और 3जी फोन इस्तेमाल कर रहे हैं और 4जी में अपग्रेड होने की प्रक्रिया भी धीमी रही है। दक्षिण कोरिया और जापान इस सूची में टॉप पर हैं, जहां 2025 की पहली छमाही में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी फोन का हिस्सा 97 फीसदी रहा। इसके बाद चीन और कनाडा 94 फीसदी के साथ हैं और अमेरिका थोड़ा पीछे 93 फीसदी पर है। एक विश्लेषक का कहना है कि भारत को टॉप 5 में आने में दो से तीन साल लगेंगे क्योंकि पश्चिमी यूरोपीय देशों में 5जी पहले से ही है, लेकिन उनका मानना है कि भारत 2026 तक 90 फीसदी का आंकड़ा पार कर जाएगा। भारत ग्लोबल एवरेज से आगे था, जो 2025 की पहली छमाही में कुल शिपमेंट का 71 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक सूची में निचले दस देशों में पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं, जिनके शिपमेंट में औसतन 5जी का योगदान 15 फीसदी था। वेनेजुएला इस सबसे नीचे था, जहां 5जी की हिस्सेदारी कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का मात्र 1 फीसदी थी, जबकि निचले दस देशों में से छह अफ्रीकी देश थे, जिनमें घाना, तंजानिया, इथियोपिया, केन्या, कांगो और अल्जीरिया शामिल थे। इनकी हिस्सेदारी 11 फीसदी से 22 फीसदी के बीच थी। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सितंबर में महिंद्रा ने घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं

नई दिल्ली

फेस्टिव सीजन के दौरान महिंद्रा की पैसेंजर यूटिलिटी व्हीकल (पीयूवी) की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। महिंद्रा कंपनी ने सितंबर में घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में 10प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025 के पहले छह महीनों, यानी अप्रैल से सितंबर तक, कुल बिक्री 2,97,570 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़त दर्शाती है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में मिश्रित रुझान देखा गया। 2 टन से कम वजन वाले एलसीवी की बिक्री सितंबर में 2प्रतिशत घटकर 3,386 यूनिट रही, जबकि 2 से 3.5 टन की श्रेणी में 21प्रतिशत वृद्धि हुई और कुल बिक्री 23,342 यूनिट दर्ज की गई। छोटे एलसीवी में छह महीने की अवधि में 12प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन बड़े सेगमेंट में 12प्रतिशत की बढ़त के साथ कुल 1,14,176 यूनिट बिकीं। थ्री-व्हीलर और इलेक्ट्रिक वेरिएंट की बिक्री में भी सितंबर में 30प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 13,017 यूनिट तक पहुंची। निर्यात में भी मजबूती रही। सितंबर में विदेशी शिपमेंट 43प्रतिशत बढ़कर 4,320 यूनिट हुई, जबकि वित्तीय वर्ष की छमाही में कुल निर्यात 20,303 यूनिट रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सेल्स में वृद्धि का मुख्य कारण जीएसटी 2.0 के तहत कीमतों में कटौती और फेस्टिव सीजन का असर रहा। बोलेरो और बोलेरो नियो पर कुल 2.56 लाख रुपये का लाभ मिला, जिसमें 1.27 लाख रुपये की सीधे कटौती और 1.29 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। एक्सयूवी 3एक्सह्न, थार, थार रॉक्स, स्कॉर्पियो, स्कॉर्पियो एन और फ्लैगशिप एक्सयूवी700 पर भी ग्राहकों को लाखों रुपये का लाभ मिला।के काम करने के लिए बेस्ट है।

चीन से आयातित सोलर सेल पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले सोलर सेल पर तीन साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। जांच में पाया गया कि ये सोलर सेल भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर आयात हो रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। डीजीटीआर ने सोलर सेल के आयात पर 23 से 30 फीसदी तक का शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह शुल्क माल के सीआईएफ मूल्य के आधार पर लगेगा। हालांकि, इस मामले में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय ही लेगा। इस कदम से घरेलू सोलर उद्योग को संरक्षण मिलेगा और सस्ते आयात से बचाव होगा। इससे भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

(पेज 1 का शेष समाचार) युवाओं की ताकत बढ़ने से राष्ट्र की मजबूती...

न तो स्कूल ईमानदारी से खोले गए और न ही भर्तियाँ की गईं। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा यहीं पढ़े और आगे बढ़े। लेकिन, मजबूरी में लाखों बच्चों को बिहार छोड़कर बनारस, दिल्ली और मुंबई जैसी जगहों पर पलायन करना पड़ा।

श्री मोदी ने कहा कि जिस पेड़ की जड़ें सड़ चुकी हों, उसे पुनर्जीवित करना एक कठिन काम है, उन्होंने विपक्ष के कुशासन में बिहार की स्थिति की तुलना ऐसे ही एक पेड़ करते हुए कहा कि सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को शासन की ज़िम्मेदारी सौंपी और गठबंधन सरकार की पूरी टीम ने पटरी से उतरी व्यवस्थाओं को बहाल करने के लिए मिलकर काम किया। आज का कार्यक्रम उस बदलाव की एक झलक पेश करता है।

प्रधानमंत्री ने आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नए कौशल विश्वविद्यालय की सौगात मिलने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है। पीएम मोदी ने इस बात का उल्लेख किया भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर ने अपना पूरा जीवन जनसेवा और शिक्षा के विस्तार के लिए समर्पित कर दिया और समाज के सबसे वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। उन्होंने कहा कि उनके सम्मान में नामित कौशल विश्वविद्यालय इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य की उनकी सरकारें बिहार के शैक्षणिक संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। आईआईटी पटना में बुनियादी ढाँचे का विस्तार शुरू हो चुका है और बिहार के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों का आधुनिकीकरण भी शुरू हो गया है। श्री मोदी ने घोषणा की कि एनआईटी पटना का बिहटा परिसर अब प्रतिभाशाली छात्रों के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पटना विश्वविद्यालय, भूपेंद्र मंडल विश्वविद्यालय, छपरा स्थित जय प्रकाश विश्वविद्यालय और नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक बुनियादी ढाँचे की नींव रखी गई है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि शैक्षणिक संस्थानों को मज़बूत करने के साथ-साथ श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार बिहार के युवाओं पर शिक्षा का आर्थिक बोझ कम करने के लिए भी सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों को उच्च शिक्षा की फीस भरने में कोई कठिनाई न हो, इसके लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से छात्रों की मदद कर रही है और अब इस योजना के तहत शिक्षा ऋण को ब्याज मुक्त बनाने का एक बड़ा फैसला लिया गया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि छात्रों की छात्रवृत्ति राशि 1,800 रुपये से बढ़ाकर 3,600 रुपये कर दी गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ₹भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और बिहार युवाओं के उच्चतम अनुपात वाले राज्यों में से एक है।₹ उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब बिहार के युवाओं की क्षमता बढ़ती है, तो राष्ट्र की शक्ति भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बिहार के युवाओं को और सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछली विपक्षी सरकारों की तुलना में बिहार के शिक्षा बजट में कई गुना वृद्धि की गई है। आज बिहार के लगभग हर गाँव और बस्ती में एक स्कूल है और इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने हाल ही में बिहार के 19 जिलों में केंद्रीय विद्यालयों को मंज़ूरी दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब बिहार में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल बुनियादी ढांचे का अभाव था, लेकिन आज राज्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन हो रहे हैं। पीएम मोदी ने पिछले दो दशकों में बिहार सरकार द्वारा 50 लाख युवाओं को राज्य में ही रोज़गार के अवसरों से जोड़ने का ज़िक्र करते हुए, कहा कि हाल के वर्षों में ही बिहार के युवाओं को लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को इसका एक प्रमुख उदाहरण बताया, जहाँ बड़े पैमाने पर शिक्षकों की भर्ती चल रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में बिहार में 2.5 लाख से ज़्यादा शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, जिससे युवाओं को रोज़गार के अवसर तो मिले ही हैं, साथ ही शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार सरकार अब नए लक्ष्यों के साथ काम कर रही है, और राज्य का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में रोज़गार के दोगुने अवसर पैदा करना है। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि उनका संकल्प स्पष्ट है- बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोज़गार और काम मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के युवाओं के लिए यह दोहरे बोनस का समय है। उन्होंने देश भर में चल रहे जीएसटी बचत उत्सव का ज़िक्र किया और बताया कि उन्हें बाइक और स्कूटर पर जीएसटी कम होने से बिहार के युवाओं में खुशी की खबर मिली है। कई युवाओं ने तो धनतेरस पर ये खरीदारी करने की योजना भी बना ली है। पीएम मोदी ने बिहार और देश के युवाओं को उनकी ज़्यादातर ज़रूरी चीज़ों पर जीएसटी कम होने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, जैसे-जैसे कौशल बढ़ता है, राष्ट्र आत्मनिर्भर बनता है, निर्यात बढ़ता है और रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं।₹ उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ₹कमजोर पाँच₹ अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था जहाँ विकास दर कम थी और रोज़गार सृजन सीमित था। आज भारत विनिर्माण और रोज़गार में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, शीर्ष तीन वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की ओर अग्रसर है। मोदी ने मोबाइल फ़ोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण और निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि से बड़े उद्योगों और एमएसएमई में उल्लेखनीय रोज़गार सृजन हुआ है, जिससे आईटीआई में प्रशिक्षित युवाओं सहित युवाओं को काफ़ी लाभ हुआ है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मुद्रा योजना ने करोड़ों युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने 1 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोज़गार योजना के कार्यान्वयन की घोषणा की जिससे लगभग 3.5 करोड़ युवाओं को निजी क्षेत्र में रोज़गार हासिल करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि देश के हर युवा के लिए यह समय अवसरों से भरा है और कई चीज़ों के विकल्प मौजूद हो सकते हैं लेकिन कौशल, नवाचार और कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। प्रधानमंत्री ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि ये सभी गुण भारत के युवाओं में निहित हैं और उनकी ताकत ही विकसित भारत की ताकत बनेगी। उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री जयंत चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, राजीव रंजन सिंह, सुकांत मजूमदार और अन्य गणमान्य व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े।

(पेज 1 का शेष समाचार)

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ने स्वदेशी चीजें अपनाने पर दिया जोर

उन्होंने कई नागरिकों की जान बचाई है। इसी के साथ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में हमारे माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में हमारे प्रशासन की तरफ से हमारे प्रदेश में बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई सिलाई मशीनें, कई पापड की मशीनें, मशरुम के कीट प्रदान किये गये और अनेक महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाये गये, निःशुल्क मशीनें प्रदान की गई है। इसी के परिणाम स्वरुप हमारे प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश में स्वदेशी चीज-वस्तुएं बना रही है और प्रदेश में ही उसे बेचकर अपने पैरों पर खडी हुई है। हमें बेहद खुशी हो रही है कि हमारा यह अभियान आगे चलकर और उच्च स्तर पर जायेगा जिससे हमारे प्रदेश की बहनों में एक आत्मविश्वास जगेगा और वे आत्मनिर्भर बनेगी, इसके लिए मैं हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी का आभार व्यक्त करना चाहती हूं क्योंकि उन्होंने कई ऐसी योजनाएं बनाई है। जैसे लखपति दीदी, जिनकी वजह से आज हमारे बिचों पर बहनों को स्टॉल उपलब्ध कराये गये हैं, जहां वे स्वदेशी घर पर बनी हुई चीजें बनाती है और उसे बेचकर अपना घर चला रही है। फाल्गुनी पटेल ने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि हम स्वदेशी चीजों उपयोग करें, मैं सभी लोगों खासकरके बहनों से अपील करना चाहती हूं कि अभी जो दीपावली का त्यौहार आ रहा है तो क्यों नहीं हम घर पर दिये बनाये, तोरण बनाये और बेचें। यह स्वदेशी भी होगी और इससे आर्थिक लाभ भी होगा और बहनें आत्मनिर्भरता की बढेंगी। फाल्गुनी पटेल ने कहा कि प्रदेश में आत्मनिर्भर महिला अभियान को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया का भी काफी सहयोग मिला है। इस कार्यक्रम में दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल भी उपस्थित रहे।

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वी मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुडगाँव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना
(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/1241 दिनांक: -23-09-2025

संदर्भ:

1.कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (1) कम्पनियों का नाम राज्य दमन और दीव से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AB6493232	U90009DD2023OPC010003	KCS ग्लोबल सर्विसेज एंड ट्रेड (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है ।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं ।

रौनक अग्रवाल
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0392/2526

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

ललित गर्ग

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की ह्यस्वदेशी अपनाओह्न और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ह्यअंत्योदयह्न की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है।

संपादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आासन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

जरूरी है राष्ट्र निमार्ता के रूप में शिक्षकों का सम्मान

श्वेता गोयल

एक ओर जहां भारत में द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है, वहीं दुनिया के अनेक देश 5 अक्तूबर को 'विश्व शिक्षक दिवस' मनाते हैं और इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में दुनियाभर के देशों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल किसी भी देश के विकास की कल्पना शिक्षा के बिना बेमानी ही है, इसीलिए दुनियाभर के शिक्षकों के महत्व और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विश्वभर में शिक्षण और शिक्षकों के मूलभूत मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष 1960 के आसपास करीब सभी देशों में शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके लिए 5 अक्तूबर 1966 को 'टीचिंग इन फ्रीडम संधि' को मूर्त रूप दिया गया। इसमें दुनियाभर के शिक्षकों की स्थिति को सुधारने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक समझौता पारित किया गया। दरअसल 5 अक्तूबर 1966 को पेरिस में एक कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसमें शिक्षकों के अधिकार और जिम्मेदारी सहित उनसे संबंधित कई मुद्दों पर यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सिफारिशों को यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था। यूनेस्को और आईएलओ की उस बैठक में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, रोजगार और शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके बाद शिक्षक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के लिए 1994 में 100 देशों के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र में यूनेस्को की इन सिफारिशों को पारित कर दिया गया। उसी के बाद 5 अक्तूबर 1994 से विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत हुई और तभी से प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को इसे विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष पूरी दुनिया 31वां विश्व शिक्षक दिवस मना रही है।

यूनेस्को द्वारा विश्व शिक्षक दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है और विश्व शिक्षक दिवस 2025 का आधिकारिक विषय है 'शिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करना'। यूनेस्को का मानना है कि पूरी दुनिया को इस समय वैश्विक स्तर पर शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और स्थिति में गिरावट के कारण और भी गंभीर हो गई है। 2022 में विश्व शिक्षक दिवस 'शिक्षा का परिवर्तन शिक्षकों से शुरू होता है' थीम के साथ मनाया गया था। दरअसल वैसे तो व्यक्ति जीवनभर सीखता रहता है लेकिन शिक्षक के बिना सही ज्ञान नहीं मिलता, इसीलिए शिक्षक दिवस का विशेष महत्व होता है। 5 अक्तूबर के दिन विश्वभर में 100 से भी ज्यादा देशों में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर तरह-तरह के आयोजन किए जाते हैं। प्रत्येक देश में इस दिन का अपने-अपने तरीके से स्वागत किया जाता है। कई देशों में तो इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रखा जाता है लेकिन वहां अवकाश के इन पलों को लोग अपने शिक्षकों के साथ किसी न किसी रूप में शेयर करते हैं। सही मायनों में विश्व शिक्षक दिवस महज सार्वजनिक अवकाश नहीं बल्कि एक वैश्विक उत्सव है।

हालांकि भारत सहित कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां शिक्षक दिवस मनाए जाने की तारीख अलग-अलग हैं लेकिन सभी का उद्देश्य एक ही है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 1985 से 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को यह दिवस मनाया जाता था। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोतेर्जा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मलेशिया में शिक्षक दिवस को 'हरि गुरू' के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी, जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। उसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को जबकि अमेरिका में 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में पूरे सप्ताह तक आयोजन होते हैं।

आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर महीने के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है। वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नामांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित

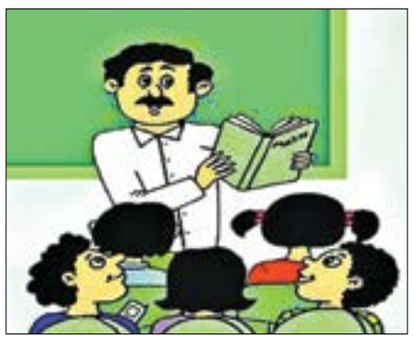

किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। बहरहाल, यूनेस्को का कहना है कि 5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित करने से दुनियाभर में सेवारत तमाम शिक्षकों को उनके द्वारा शिक्षा और विकास के क्षेत्र में दिए जा रहे अहम योगदान से लोगों को अवगत कराया जाता है, जिससे आम लोगों को शिक्षकों के बारे में और अधिक समझने का अवसर मिलता है।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय हैं)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत को पीओके की पुकारः पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति

दिलीप कुमार पाठक

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है' बांग्लादेश, अफगानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं' अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था' पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं' अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है' अभी हाल फि लहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है' जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है' पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है' पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है' वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होता' देश जमीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर जबरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है' पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि वठ तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए' 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं' एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाजा जरूर भुगतना होगा'

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है' यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है' नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं' सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं' कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की' पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं' 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया' वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है' यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है' इस मुद्दे पर भारत को दखल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा' पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है' पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए'

संक्षिप्त समाचार

75 लाख डॉलर में बिकी फ्रांसिस की कलाकृति

लंदन , एजेंसी। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख डॉलर से अधिक राशि में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। इस दौरान, विभिन्न कलाकृतियों की बिक्री से कुल 2.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई।

आयरलैंड : भारतीय दूतावास ने धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास में बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज में फैलती बहुआयामी असहिष्णुता और बढ़ते विद्वेषपूर्ण राजनीतिक ध्रुवीकरण को शांत करने के लिए गांधी जी के तीन अराजनीतिक विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। विरोधियों और आलोचकों के साथ सम्मानजनक संवाद : गांधी को जनता की बेहद सराहना मिलती थी क्योंकि उन्होंने आलोचकों के साथ बातचीत और बहस में हमेशा उचित सम्मान और शिष्टता का परिचय दिया। महात्मा गांधी ने साहसपूर्वक कहा था, महिला को कमजोर कहना अपमान है। यह पुरुष द्वारा महिला के प्रति अन्याय है। इसके साथ ही गांधी जी ने देश ?को आत्म-विश्वास का भी मंत्र दिया।

ट्रंप बोले- कैरिबियन ड्रग कार्टेल गैरकानूनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरिबियाई क्षेत्र में सक्रिय ड्रग कार्टेल को अवैध लड़ाके घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। अमेरिकी रक्षा विभाग- पेंटागन ने इस फैसले के बारे में कांग्रेस को सूचित भी कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई समुद्र में तीन घातक हमले किए थे, जिनमें दो नावें वेनेजुएला से आई थीं। यह कदम ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी धर्मस्थल पर हमले की निंदा की

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मैनचेस्टर के एक सिनेगॉग (धर्मस्थल) पर यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की और इसे घृणित बताया। इस हमले में एक व्यक्ति ने कार से लोगों को कुचलने और चाकू से हमला करने की वारदात को अंजाम दिया। हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया और कहा, ब्रिटेन एक ऐसा देश है जहां सभी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने होलोकॉस्ट का उल्लेख करते हुए यहूदियों को ब्रिटेन में शरण पाने की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया।

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रही फ्लोटिला को रोका ; कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

गाजा, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं। यह ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे। बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई। इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए। इटली की सबसे बड़ी यूनियन ने हड़ताल का आह्वान किया। पेरिस और बार्सिलोना में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। कार्यकर्ताओं ने फ्लोटिला को गाजा की नाकाबंदी और नरसंहार के खिलाफ वैश्विक चेतना जगाने का प्रयास बताया।

पाक ने ट्रंप का शांति प्रस्ताव ठुकराया कहा- ये मसौदा हमारा नहीं है इसे बदला गया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कब किसके साथ गद्दारी कर दे कोई नहीं जानता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर साथ में डिनर किया और गलबहियां डालकर फोटो सेशन कराया। इसके बाद आवभगत से गदगद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। अब इसी पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने देश को औपचारिक रूप से इससे अलग करते हुए कहा है कि यह दस्तावेज हमारा नहीं है और इसमें हमारे मूल मसौदे में बदलाव किए गए हैं। डार का यह बयान संसद में आया, जिससे पाकिस्तान इस प्रस्ताव से आधिकारिक रूप से दूरी बनाने वाला पहला बड़ा देश बन गया है। आपको बता दें कि इस प्रस्ताव को हमास ने मंजूर कर लिया है। डार ने कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित यह शांति योजना उस मसौदे से अलग है जो मुस्लिम देशों ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। उन्होंने कहा, यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। इसमें जो संशोधन किए गए हैं, वे हमारी सहमति से नहीं हुए।

सूत्रों के अनुसार, इस सख्त रुख के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मंजूरी है। सेना नहीं चाहती कि इस योजना को किसी भी रूप में अमेरिकी या इजराइली हितों को मान्यता देने वाला समझा जाए। रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह बयान पाकिस्तान सरकार की फेस-सेविंग एक्सरसाइज का हिस्सा है ताकि जनता के बीच यह संदेश जाए कि इस्लामाबाद ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। इस रुख से पाकिस्तान यह भी संदेश देना चाहता है कि वह मुस्लिम देशों की एकजुटता से अलग नहीं हो रहा और न ही मुस्लिम मकसद को बेच रहा है। सूत्रों का कहना है कि हालांकि सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है, परंतु पर्दे के पीछे वह अमेरिका और अरब के साथ कूटनीतिक संवाद जारी रखेगा। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम घरेलू राजनीतिक और धार्मिक दबाव को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी और प्रोपैलेस्टाइन लॉबी किसी भी ऐसी योजना का विरोध कर रहे हैं जिसमें हमास के निरस्त्रीकरण या इजरायल की आंशिक मान्यता जैसी बातें शामिल हों।

अमेरिका ने लगाया दाढ़ी पर प्रतिबंध, कई सैनिकों, मुस्लिमों और यहूदियों के लिए संकट

वाशिंगटन। अमेरिका ने नई ग्रूमिंग नीति के तहत दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे धर्म के आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की नौकरी भी खतरे में आ गई है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवा पर संकट मंडरा रहा है। यह नीति 2010 से पहले की मानकों पर लौटने का आदेश देती है, जिसमें दाढ़ी की छूट की सामान्यत : अनुमत नहीं होगी। हालांकि इससे पहले 2017 में भी कुछ तरह के निर्देश दिए गए थे, बाद में सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक रूप दिया था। इसी तरह, मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को धार्मिक आधार पर छूट मिली हुई थी। जुलाई 2025 में सेना ने चेहरे के बालों की नीति को अपडेट किया था, लेकिन धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा था। हालांकि, नई नीति इन प्रगतिशील बदलावों को उलट रही है, जो 1981 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित सख्त ग्रूमिंग नियमों पर लौट रही है। यह नीति केवल सिखों तक सीमित नहीं है। मुस्लिम सैनिकों के लिए दाढ़ी धार्मिक दायित्व है, जबकि ऑर्थोडॉक्स यहूदियों के लिए पायोट और दाढ़ी पवित्र हैं। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने हेगसेथ को पत्र लिखकर स्पष्टता की मांग की है- क्या मुस्लिम, सिख और यहूदी सैनिकों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रहेगी? सीएआईआर ने प्रथम संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से पेंटागन की नीतियां इन अधिकारों को मान्यता देती रही हैं। काले सैनिकों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि छद्म फॉलिकुलाइटिस बार्बे (रेजर बंप्स) के कारण चिकित्सकीय छूट अब स्थायी नहीं रहेगी। इंटरसेप्ट के अनुसार, यह नीति नस्ल और धर्म पर आधारित बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नॉर्स पगान सैनिकों ने भी इसे अपनी मान्यताओं के खिलाफ बताया है। इस मामले में सिख कोअलिशन, जो अमेरिकी सैन्य में सिखों के अधिकारों के लिए प्रमुख वकालत संगठन है, उसने हेगसेथ की टिप्पणियों पर क्रोधित और गहरी चिंता व्यक्त की है।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर आतंकी हमला:2 की मौत, 3 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। इसमें दो यहूदियों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रम्प्सल इलाके में कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान हमलावर ने उन पर कार चढ़ा दी और फिर गोलीबारी करने लगा।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर का एनकाउंटर कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। योम किप्पुर के दिन यहूदी अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं।

ब्रिटिश पीएम इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक करेंगे : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस भी इसकी पुष्टि कर चुकी है। मेयर बर्नहैम ने लोगों से हमले वाले इलाके में न जाने की अपील की है।

हमले को आतंकवादी घटना घोषित किया गया : ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना घोषित किया है। काउंटर-टेररिज्म टीम मामले की जांच कर रही है। हमलावर की पहचान हो चुकी है, लेकिन नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। दो अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे देश में यहूदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने कहा कि यह घटना हमें गहरा सदमा पहुंचा रही है, खासकर यहूदियों के इस खास दिन पर। वहीं, यहूदी संगठन कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट ने कहा कि यह हमला ब्रिटेन में बढ़ते यहूदी-विरोधी माहौल का हिस्सा लगता है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, भक्ति और उत्सव का दिखा माहौल

ढाका, एजेंसी। नवरात्र का पर्व भारत में हर्षोल्लास के साथ विजयदशमी के दिन पूरा हुआ। पड़ोसी मुल्क- बांग्लादेश में भी पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे देश में देवी की मूर्तियों को नदियों में विसर्जित किया। ढाका में हजारों लोग बुरीगंगा नदी पर एकत्र हुए और मंत्रोच्चार व पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ देवी को विदाई दी। इस वर्ष 33,355 पूजा मंडप स्थापित किए गए, जिनमें से 258 ढाका में थे। अंतरिम सरकार ने पूजा के लिए 5 करोड़ टका का अनुदान दिया।

हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने सुरक्षा में सहयोग के लिए सेना का आभार जताया, हालांकि 64 जिलों में से 14 में कुछ बाधाओं की खबरें भी सामने आईं। परिषद ने अंतरिम प्रमुख प्रो. मुहम्मद यूनुस की उस टिप्पणी की निंदा की जिसमें उन्होंने हिंदुओं पर अत्याचार की खबरों को फर्जी बताया। बता दें कि हालिया दिनों में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है, और भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में विस्फोट, 4 पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग घायल : पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में गुरुवार को एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर बम धमाके हुए। इसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना बाना मारा क्षेत्र में हुई, जहां वैन सड़क किनारे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से टकरा गई। एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रमुख डॉ. मियां सईद ने बताया कि जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोट रिमोट-कंट्रोल डिवाइस से हुआ या आईईडी से। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

बवाल के बाद घुटने पर शरीफ सरकार, बातचीत के लिए भेजा आठ सदस्यीय दल; दस लोगों की हो चुकी है मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू और बेहद तनावपूर्ण बने हुए है। इन प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई से अब तक कम से कम दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में हिंसा के दिन-प्रतिदिन बढ़ते स्वरूप के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ हरकत में आते हुए नजर आ रहे है। इसके तहत उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ताकार समिति को पीओजेके भेजा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से भेजी गई आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय मंत्री अहसन इकबाल, आमिर मुकाम, सरदार मोहम्मद यूसुफ, राणा सनाउल्ला, डॉ. तारिक फजल चौधरी, पीपीपी के नेता राजा परवेज अशरफ, क़मर जमां कैरा पूर्व पीओजेके राष्ट्रपति सरदार मसूद खान और इनके साथ पीओजेके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवरुल हक भी शामिल है। यह समिति जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के प्रतिनिधियों से वार्ता कर रही है, जो वहां के जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। वार्ता गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कमेटी रूम में शुरू हुई और देर रात तक चली। शुक्रवार को भी बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। क्या है लोगो की मांग, पहले ये समझिए अब पीओजेके के लोगों की मांग की बात करे तो जेकेजेएएसी के नेता शौकत नवाज मीर ने बताया कि पीओजेके के लोगों की प्रमुख मांगों में 12 रिफ्यूजी सीटों को खत्म करना, वीआईपी और एलीट वर्ग को मिलने वाली विशेष सुविधाएं बंद करना, जून 2019 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करना, हेल्थ कार्ड योजना लागू करना शामिल है। इसके अलावा, आंदोलनकारियों की मांग है कि मुजफ्फाराबाद, धिरकोट और अन्य इलाकों में मारे गए निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या के दोषियों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए। अब जानें कब और कैसे शुरू हुआ प्रदर्शन? गौरतलब है कि प्रदर्शन पीओजेके में लगातार बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ शुरू हुआ।

आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग मारे गए। गुरुवार को भी क्षेत्र में पूरी तरह शटर डाउन और व्हील-जाम हड़ताल रही। सोमवार से संचार सेवाएं भी ठप हैं। हालांकि गुरुवार को किसी नए हिंसक घटना की खबर नहीं आई।

नोबेल की जुगाड़ में लगे ट्रंप के दूसरे नेता ले रहे हैं मजे, उड़ा दी खिल्ली

मास्को, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिसलती जुबान चर्चा का विषय बन गई है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अल्बेनिया, आर्मेनिया और फ्रांस के नेताओं को ट्रंप के बयान को मजाकिया अंदाज में दोहराते हुए देखा गया। खास बात है कि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने 7 युद्ध रुकवाने में सफलता हासिल की है।

कोपेनहेगन में जुटे यूरोपीय नेताओं की बातचीत में ट्रंप का भी जिक्र आया। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, अल्बेनिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने मजाकिया अंदाज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव से कहा, आपको माफी मांगने चाहिए... क्योंकि आपने हमें राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से कराई गई अल्बेनिया और अजरबैजान की डील पर शुभकामनाएं नहीं दी। यह सुनते ही एक ओर जहां अलियेव हंसने लगे। वहीं, मैक्रों ने कहा, मैं इस बात के लिए माफी मांगता हूं। दरअसल, ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच शांति समझौता कराया था। दोनों देशों के बीच अगस्त में वाइट हाउस में ही डील साइन हुई थी। अब ट्रंप कई मौकों पर आर्मेनिया की जगह अल्बेनिया कह चुके हैं। बीते महीने एक टीवी चैनल पर उन्होंने कहा था, मैं ऐसे युद्ध खत्म कराए हैं, जिन्हें खत्म करना नामुमकिन था। अजरबैजान और अल्बेनिया में कई सालों से चल रहा था। मैं प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों को अपने दफ्तर लेकर आया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी ट्रंप ने कहा था, हमने अबर-बैजान और अल्बानिया के मुद्दे का समाधान कराया। अब यहां उन्होंने एक देश का नाम ही गलत लिया और दूसरे देश का नाम ठीक से नहीं ले पाए। भारत और पाकिस्तान के भी कर रहे हैं दावे ट्रंप ने 10 मई को जब सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वॉशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव घटाने में मदद की है। भारत ने हालांकि, किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। उसने लगातार कहा कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी।

नई दिल्ली में, विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस बैठक का संज्ञान लिया है। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ उसकी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि उसका मानना ??है कि ये द्विपक्षीय ही रहनी चाहिए।

अब मोरक्को में जेन जी का गुस्सा भड़का:कहा- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे

रबात, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70% प्रदर्शनकारी नाबालिग थे। मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है। मोरक्कों में भी प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं सीएनएन के मुताबिक युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जेन जी 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8% है, जिसमें युवा बेरोज़गारी 35.8% और स्नातकों में 19% तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है। डिस्कॉर्ड-टिकटॉक ऐप से आंदोलन यह आंदोलन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टिकटॉक और डिस्कॉर्ड पर शुरू हुआ था। पिछले रविवार को प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद इसे और समर्थन मिलने लगा। गिरफ्तार हुए लोगों में मोरक्को के स्टार गोलकीपर यासीन बौनू और प्रसिद्ध रैपर एल ग्रांडे टोटो भी शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए। राजधानी रबात, मुख्य वाणिज्यिक शहर कैसाब्लांका और बंदरगाह शहर टैंजियर में भी विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटन केंद्र माराकेश में भी हिंसा हुई और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रशीद अल खल्फी ने बताया कि अशांति के बाद पूरे मोरक्को में 409 लोगों को हिरासत में लिया गया।

यूक्रेन के सैन्य ठिकानों और गैस साइट्स पर रूस ने जमकर की गोलाबारी, मिसाइलें भी दागीं

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग बीते साढ़े 3 साल से जारी है। शांति के प्रयास नाकाम रहे हैं,जिसे जैसा मौका मिलता है वैसा हमला कर देता है। बीती रात रूस ने यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों, गैस साइट्स पर गोलाबारी की और कहीं कहीं भी मिसाइलें दागी। कुल मिलाकर दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर अपने दुश्मन को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को रूसी सेना ने कई यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और गैस संरचनाओं को निशाना बनाया।

वहीं, यूक्रेनी की तरफ से भी इस हमले की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नैफ्टोगैज ने इस हमले को देश के गैस संरचनाओं पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। कंपनी की तरफ से कहा गया कि रूस की तरफ से किए गए हमलों में उसे काफी गंभीर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर कई प्लेटफार्म्स से मिसाइलें और लंबी दूरी के ड्रोन यूक्रेन के ऊपर दागे गए। इन ड्रोन्स और मिसाइल ने बखूबी अपने लक्ष्यों को भेदा और अपना मिशन सफल बनाया। इस हमले को लेकर यूक्रेनी वायुसेना की तरफ से बताया गया कि इसें रूस 810 ड्रोन्स के अलावा चार बैलिस्टिक मिसाइलें और नौ क्रूज मिसाइलें दागीं थीं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक यह हमला जुलाई में किए गए हमले से भी काफी भयानक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की तरफ से किए गए इस हमले को कायरता पूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा, ऐसी हत्याएं अब हो रही हैं, जबकि वास्तविक कूटनीति बहुत पहले शुरू हो सकती थी, यह एक जानबूझकर किया गया अपराध है और युद्ध को लम्बा खींचने जैसा है। जेलेंस्की ने कहा, दुनिया क्रेमलिन के अपराधियों को हत्याएं बंद करवा सकती है, हमें बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

7 सितंबर को भी रूस ने दागी थी मिसाइलें

रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर इसी तरीके से हमले किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 7 सितंबर को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के ऊपर ड्रोन्स और मिसाइलों के जरिए हमला बोला था। इस हमले की वजह से कीव में कुल 11 घंटों तक सायरन बजता रहा था। इस हमले के दौरान रूस ने करीब 800 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए थे,

जिनमें से ज्यादातर एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराए थे लेकिन इसके बाद भी कई आवासीय भवनों और सरकारी इमारतों से जाकर फटे थे। इनकी वजह से राजधानी कीव में दो लोगों की मौत हो गई थी, इसमें एक बच्चा भी शामिल था।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

-सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रनों पर घोषित कर दी। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार भारतीय टीम के पास 286 रनों की बढ़त थी। ऐसे में उसने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में लंच के बाद 146 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने 4 विकेट लिए, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन जबकि कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मुकाबला आसानी से जीत लिया।

इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी पहली पारी की तरह ही खराब रही। केवल एलिका अथानाजे ही 38 रन तक पहुंच पाये, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस मैच में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रविन्द्र जडेजा ने शतक लगाकर टीम को दूसरे ही दिन 488 रनों तक पहुंचा दिया था।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

भारतीय टीम के रवींद्र जडेजा ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाकर एक रिकार्ड बनाया। उन्होंने इस मैच में महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट में छक्के मारने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। जडेजा के अब अपने टेस्ट मैचों में कुल 79 छक्के हो गये है। वहीं धोनी ने टेस्ट में 78 छक्के लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड ऑलराउंड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने 91 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत हैं जिनके टेस्ट में 90 छक्के हैं जबकि रोहित शर्मा 88 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

राहुल ने 9 साल बाद घरेलू धरती पर शतक लगाया

राहुल ने इस टेस्ट में अपना 11वां शतक जमाया ये उनका नौ साल के बाद धरेलू धरती पर शतक है। इसके लिए राहुल ने गेंदें खेलीं।

वहीं युवा जुरेल ने भी इस मैच में मिले अवसर का लाभ उठाते हुए शतकीय पारी खेली।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड: मार्श का पहला टी20 शतक, ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया।

न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत में ही 62 रन छह ओवर में बन गए थे। मिचेल मार्श ने ईश सोढ़ी पर लगातार छक्कों की मदद से केवल 21 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने मध्य ओवरों में नीशाम की गेंदबाजी के दम पर चार विकेट लिए, लेकिन मार्श ने टीम को मजबूत हाथों से जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले श्रृंखला का दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। मार्श ने पहले मैच में भी 43 गेंद में 85 रन बनाकर टीम की छह विकेट की जीत में अहम योगदान दिया था।

शुभमन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान बनाये गये , श्रेयस होंगे उपकप्तान

-विराट , रोहित की सात महीने बाद टीम में वापसी

-सूर्यकुमार की कप्तानी में जाएगी टी20 टीम

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल टेस्ट के बाद अब एकदिवसीय प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम के कप्तान बनाये गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया है। शुभमन को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया है। रोहित अब एक बल्लेबाज के तौर पर ही टीम में रहेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार रोहित और विराट करीब सात महीने के बाद एक बार फिर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनो ही अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरे थे और उसे भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में जीता था।

वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस को एकदिवसीय के लिए उपकप्तान बनाया गया है। कोहली और रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार फरवरी-मार्च में खेला था।

तब दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का हिस्सा थे। दोनों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एकदिवसीय सीरीज के लिए आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उन्हें शामिल किया गया है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद वह सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मेजबानों के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

भारतीय टीम पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलेगी जबकि दूसरा एकदिवसीय मैच 23 को एडिलेड में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवसीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उप कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर.

जडेजा ने बनाया रिकार्ड, कपिल, बॉथम और इमरान के क्लब में शामिल

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही जडेजा ने कपिल देव, इयान बॉथम और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की बराबरी की है। अब जडेजा उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं। जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया है। अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं। उन्होंने मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जडेजा के नाम टेस्ट करियर में 79 छक्के हैं जबकि धोनी के नाम 78 छक्कों का रिकार्ड है।

भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की रेड-बॉल प्रतियोगिता, शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया की ओर से खेलते दिखेंगे। निखिल लिस्ट ए क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। अब ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड में खेलकर उनका करियर और निखर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में छोटे क्लब स्तर पर खेलते हुए वह तस्मानिया तक पहुंचे हैं। निखिल ने पंजाब की ओर से खेलने के दौरान शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के साथ खेला है। हालांकि वह रणजी ट्रॉफी में अभी तक नहीं खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद चौधरी ने क्लब क्रिकेट और वीकेंड टूर्नामेंट से खेलते हुए यहां तक का सफर किया है। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद वह बिग बैश लीग की टीम होबार्ट हरिकेंस पहुंची। इसके बाद क्रिकेट तस्मानिया ने उन्हें लिस्ट ए मैचों में अवसर नहीं दिया। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 2 विकेट जबकि विक्टोरिया के खिलाफ 67 रन बनाये। जिससे उन्हें लाभ हुआ। क्रिकेट तस्मानिया की हाई परफॉर्मेंस प्रमुख सैलियन बीम्स ने निखिल के यहां तक के सफर की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी दूसरे देश में जाकर इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करना कठिन होता है पर इस क्रिकेटर ने अपने को साबित किया है। साथ ही कहा कि उनकी भूख और जुनून टीम को मजबूती देगी।इससे पहले 1960 के दशक में रूसी सुरती ने की ओर से खेला था।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू का शानदार प्रदर्शन, भारत को दिलाया एक और रजत पदक

फॉरडे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने 2025 विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। चानू ने कुल 199 किग्रा भार उठाया, जिसमें स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा शामिल था। यह उनके तीन साल बाद विश्व मंच पर लौटने का प्रतीक है।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन 87 किग्रा के अगले दो प्रयासों में वे सफल नहीं हो सकीं और इस खंड में कांस्य पदक हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109, 112 और 115 किग्रा उठाया। अंतिम प्रयास की सफलता ने उन्हें रजत पदक दिलाया और उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को दोहराया।

पदक तालिका में उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91+122) के साथ स्वर्ण पदक और क्लीन एंड जर्क व कुल भार में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्यातॉन सुकचारोएन ने 198 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

यह मीराबाई का तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है; उन्होंने 2017 में स्वर्ण और 2022 में रजत पदक जीते थे। उनका 115 किग्रा का क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में किए गए सर्वश्रेष्ठ भार के बराबर है। इस जीत से भारत को तीन साल बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक मिला और अब तक इस टूर्नामेंट में भारत के सभी 18 पदक महिलाओं ने ही हासिल किए हैं। मीराबाई के साथ भारतीय टीम में कोयल बर, बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी, हरजिंदर कौर, वंशीता वर्मा और मेहक शर्मा भी शामिल हैं। इनमें से कई खिलाड़ियों ने पहले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने और चोटों से जूझने के बाद यह रजत पदक मीराबाई के करियर में महत्वपूर्ण पुनरुत्थान का संकेत है। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विश्व स्तरीय वेटलिफ्टिंग में भारत का गौरव बढ़ाती रहती हैं।

चाइना ओपन 2025 : कोको गॉफ का सफर सेमीफाइनल में थमा, अमांडा एनिसिमोवा ने दी करारी शिकस्त

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को समाप्त हो गई। सेमीफाइनल में उनकी हमवतन और तीसरी वरीय अमांडा एनिसिमोवा ने उन्हें 58 मिनट के भीतर सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से मात दी। गॉफ, जिन्होंने पिछले साल चाइना ओपन का खिताब जीता था, इस बार अपनी लय में नजर नहीं आईं और एनिसिमोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अमांडा ने शानदार सर्विस और बेसलाइन से ताकतवर शॉट्स खेलकर मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ अमांडा एनिसिमोवा ने फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। गॉफ की इस हार से टूर्नामेंट का खिताबी समीकरण और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनिसिमोवा इस समय बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रही हैं और फाइनल में उनके खेल पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

शुभमन एकदिवसीय में रोहित के सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड तोड़ सकते हैं : बांगर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कोच संजय बांगर का मानना है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आने वाले समय में एकदिवसीय में रोहित शर्मा के 264 रनों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बांगर ने कहा कि अगर शुभमन टिककर अंत तक बल्लेबाजी करें तो निश्चिय ही रोहित का रिकार्ड तोड़ देंगे क्योंकि उनके पास अच्छी तकनीक होने के साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी अच्छा है। बांगर के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए ये तय है कि वह आगे भी इसी प्रकार खेलेंगे। शुभमन ने अब तक 55 एकदिवसीय मैचों में

आठ शतक और 15 अर्धशतक के साथ ही 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल 149 गेंदों में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और नौ छक्के लगाये थे।

बांगर का मानना है कि गिल अगर टिककर लंबी पारी खेलते हैं तो वह रोहित का रिकॉर्ड तोड़ने में पीछे नहीं रह सकते हैं। उनके मुताबिक गिल की तकनीक, स्ट्राइक रेट और धैर्य उन्हें यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल करने के लिए तैयार बनाते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संभव मिशन मान रहे हैं। वहीं बांगर ने आक्रामक सलामी बल्लेबाजा अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की है। बांगर ने कहा कि अभिषेक युवराज सिंह के 2007 टी20 विश्व कप अर्धशतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं।

पैरा चैंपियनशिप : कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली: इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

अभिषेक बोले, युवराज के लगाये प्रशिक्षण सत्र से बल्लेबाजी में आया निखार : अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने गुरु युवराज सिंह को दिया दिया है। अभिषेक के अनुसार कोरोना संक्रमण के दौर में जब लॉकडाउन लगा था और सभी खेल मुकाबले रुक गये थे तब युवराज ने उन्हें प्रशिक्षण दिया था जिसका लाभ अब उन्हें मिला है। तब अभ्यास के दौरान युवराज ने कहा था कि तुम जल्द ही भारतीय टीम के लिए मैच जीतोगे। अभिषेक के अनुसार अब उनकी कही बातें सही साबित हो रही हैं। अभिषेक ने एक शो में कहा कि युवराज की देखरेख में जिस प्रकार से उन्होंने अभ्यास किया उससे उनकी बल्लेबाजी तकनीक बेहतर हुई।

इसी कारण वह एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने में भी सफल रहे। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं युवराज का बहुत शुक्रगुजार हूं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्र रखा था जिसमें मेरे अलावा शुभमन गिल और प्रभसिमरन सिंह व अनमोलप्रीत सिंह आदि थे। तब मैं संघर्ष कर रहा था। यहां तक कि आईपीएल की अपनी टीम में भी अंतिम ग्यारह में जगह बनाना आसान नहीं हो रहा था। वहीं शुभमन को भारतीय टीम में जगह मिल गयी थी।

आईपीएल में निरंतरता में कमी के कारण मैं अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहा था। वहीं शुभमन पहले से ही भारत के लिए खेल रहा था। तब मुझे ऐसा लगना शुरू हो गया कि मैं पीछे रह गया हूं क्योंकि मेरे समूह के सभी लोग पहले ही अच्छा कर रहे थे। तभी युवराज ने कहा था कि वह मुझे भारत के लिए मैचों को जीतने के लिए तैयार कर रहे हैं और ऐसा दो से तीन साल में ही हो जाएगा। उसे सत्र के बाद मैंने महसूस किया कि मेरा लक्ष्य तो कुछ और ही था। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान युवराज परे समय साथ रहते थे और रिकार्डिंग तक दिखकर गलतियां बताते थे।

प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को कहा अलविदा

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को अलविदा कह दिया है। वह दो दिनों तक मुंबई में रहने के बाद अमेरिका लौट गई हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुंबई में बिताए अच्छे पलों को याद किया है। फैंस को दुर्गा पंडाल में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी पसंद आया। प्रियंका चोपड़ा बनारसी पैटर्न के साथ पर्पल कलर के सूट में दिखीं। एक्ट्रेस ने माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर लगा रखा था। एक्ट्रेस का देसी लुक फैंस के दिल को भा गया। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक मुंबई टूर वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में एक्ट्रेस पहले अपने स्किनकेयर और मेकअप के बारे में बात कर रही है, वहीं कई स्थानों के साथ वह मां दुर्गा के पंडाल में भी नजर आईं। वीडियो में उन्होंने मुंबई में बिताए दो दिनों की यादें कैमरे में कैद कीं। एक्ट्रेस ने वीडियो के कैप्शन में लिखा,अलविदा मुंबई! वापस आना हमेशा बहुत अद्भुत होता है, भले ही यह एक मिनट के लिए ही क्यों न हो। उत्सव मना रहे सभी लोगों को दशहरा की शुभकामनाएं। दोबारा आने का वेट करें..।

प्रियंका ने एक्ट्रेस नीलम उपाध्याय को भी दिल से शुक्रिया कहा। उन्होंने लिखा, जब पति मदद के लिए आसपास नहीं थे तो आप थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका को हॉलीवुड एक्शन-कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट में देखा गया था। फिल्म अमेजन प्राइम पर मौजूद है। एक्ट्रेस एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रही है, जो हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों हैं। एक्ट्रेस सिटाडेल-2, द ब्लफ, जजमेंट डे, एसएसएमबी 29 और कृष 4 में भी दिख सकती हैं।

Simi Garewal की दशहरा पोस्ट पर बवाल एक्ट्रेस ने रावण को बताया आज के सांसदों से बेहतर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने दशहरा के मौके पर एक ऐसी पोस्ट कर दी कि उनके फैंस हैरान रह गए. एक्ट्रेस ने रावण को आज के सांसदों से बेहतर बताया. 2 अक्टूबर दशहरा के मौके पर बॉलीवुड की हसीन अदाकारा एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने अपने एक्स हैंडल पर रावण की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट लिखा है. एक्ट्रेस ने अपने नोट में रावण की खूब तारीफ की है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है. बॉलीवुड एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने रावण के लिए एक लंबा-चौडा नोट लिखा है. जिसमें वो रावण की अच्छाइयां गिनाते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. अपनी पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा- हर साल इस दिन हम अच्छाई की बुराई पर जीत का जश्न मनाते हैं. लेकिन सच कहूं तो, तुम्हारे व्यवहार को 'बुराई' की बजाय 'थोड़ी शरारत' कहा जाना चाहिए. आखिर तुमने किया ही क्या था? मानती हूं कि तुमने जल्दीबाजी में एक महिला का अपहरण कर लिया, लेकिन उसके बाद तुमने उसे वो सम्मान दिया जो आज की दुनिया में औरतों को शायद ही कभी मिलता हो. तुमने उसे अच्छा खाना दिया, रहने की जगह दी और यहां तक कि महिला सुरक्षा-गॉर्ड्स भी दिए (हालांकि वह बहुत सुंदर नहीं थीं). तुम्हारा विवाह का प्रस्ताव भी बड़े विनम्र ढंग से था और जब उसे ठुकरा दिया गया, तब भी तुमने एसिड नहीं फेंका. यहां तक कि जब भगवान राम ने तुम्हें मार डाला, तब भी तुमने उनसे माफी मांगने की बुद्धिमानी दिखाई.

रियल-लाइफ हीरो सोनू सूद का पंजाब से आशा भरा संदेश

हर परिवार की ज़रूरतें पूरी होनी चाहिए

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ को एक महीने से ज़्यादा समय बीत चुका है, लेकिन गांवों में लोगों की तकलीफें अब भी जारी हैं। अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद, जो संकट के समय में लगातार आशा की किरण बनकर उभरे हैं, उन्होंने हाल ही में गाँव का दौरा किया और हालात का जायज़ा लिया। वहां उन्होंने जो देखा, उससे मदद जारी रखने का उनका संकल्प और मज़बूत हुआ। पंजाब में बाढ़ प्रभावित गांवों के पीड़ितों के साथ खड़े होकर, सोनू सूद ने कहा- आप देख रहे हो कि अभी भी जो बाढ़ के कारण तकलीफें हैं, वो बहुत ज़्यादा हैं और क़रीब 40-45 दिन हो चुके हैं बाढ़ को। और मैं हमेशा कहता आया हूँ ङ्क असली ज़रूरत अब पड़ेगी, क्योंकि पानी का स्तर अभी भी कई जगहों पर बहुत ज़्यादा है। और जो लोग मदद कर रहे हैं ङ्क बचा रहे हैं ङ्क उन्हें इसे जारी रखना चाहिए। गांवों में असली मुश्किलें अब आने वाली हैं, और हर परिवार को जो भी ज़रूरतें हैं, उन्हें हमें पूरा करना है। पंजाब के बाढ़ प्रभावित गाँवों की ज़मीनी हकीकत को बयां करते हुए उन्होंने लिखा, दिन- 45 आइए, ज़रूरतमंदों के लिए एकजुट हों। पंजाब और पूरे देश के लोगों के लिए यह शब्द एक चेतावनी भी हैं और एक आह्वान भी। राहत केवल एक बार की प्रक्रिया नहीं होती ङ्क यह एक निरंतर दायित्व है। सोनू सूद की पंजाब में उपस्थिति केवल मदद पहुंचाने के लिए नहीं है, बल्कि उन आवाज़ों को बुलंद करने के लिए भी है जो मूलभूत सुविधाओं से कटे हुए हैं ङ्क यह याद दिलाने के लिए कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में सोनू सूद संकट के समय में उम्मीद का पर्याय बन गए हैं ङ्क चाहे वो महामारी के दौरान प्रवासी मज़दूरों की मदद हो या अब बाढ़ पीड़ितों की सहायता। उन्होंने बार-बार दिखाया है कि ज़िम्मेदारी और ईमानदारी के साथ प्रभावशाली होना क्या मायने रखता है। पंजाब की इस कठिन घड़ी में उनका काम यह साबित करता है कि राहत केवल दान नहीं ङ्क बल्कि निरंतर करुणा और समर्थन से भरा एक लंबा सफ़र है।

12 की उम्र में श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपये के लिए नौकरी, मेहनत से बनीं घर-घर की प्रेरणा

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो कलीरे में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल कसौटी जिंदगी की ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है।

श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था। श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया। उस वक्त एक्ट्रेस की पहली कमाई 500 रुपये थी, लेकिन आज एक्ट्रेस एक एपिसोड का लगभग 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं और अकेले अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं। एक्ट्रेस ने 15 साल की उम्र में टीवी पर कदम रखा और दूसरे ही सीरियल से छा गई, लेकिन इसके साथ ही श्वेता की पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव भरी रही।

ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ 2025

एंजेलिना जोली इफेक्ट के साथ 'हर यात्रा मायने रखती है'

2013 में हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने दुनिया को एक बड़े फैसले से सबको चौंका दिया। उनकी मां (मार्शलीन बर्ट्रेंड) की मृत्यु ओवरी कैंसर से हुई थी। जोली ने टेस्ट कराया और पाया कि उनमें बीआरसीए1 जीन म्यूटेशन है, जो उनके ब्रेस्ट कैंसर के चांस को 87 फीसदी तक बढ़ा रहा था। एंजेलिना ने प्रिवेंटिव डबल मास्टेक्टॉमी (दोनों स्तनों को सर्जरी से हटवाना) करवा लिया। उस समय कइयों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए, लेकिन बाद में हजारों महिलाएं अस्पताल पहुंचीं और टेस्ट कराए। डॉक्टरों का कहना है कि एंजेलिना की इस पहल से जोलि इफेक्ट नाम की एक अवेयरनेस लहर उठी, जिसने अनगिनत जिंदगियां बचाईं। रिसर्च बताती है कि उनके बयान के बाद लाखों महिलाओं ने बीआरसीए टेस्ट करवाने शुरू कर दिए। जोली ने अपने शरीर से जुड़ी बेहद निजी बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स के ओप-एड लेख में किया था। 2013 के इस लेख में उन्होंने एक मां के डर को जाहिर करते हुए लिखा, मैं यह नहीं चाहती थी कि मेरे बच्चों को बार-बार वही डर महसूस हो जो मैंने अपनी मां के लिए महसूस किया था। मैंने तय किया कि मैं इस डर को कम करने की पूरी कोशिश करूंगी। जोली की इस ईमानदार कोशिश की दुनिया कायल हो गई। उन्होंने अपने इसी लेख में आगे लिखा, मेरे लिए यह लिखना आसान नहीं था। लेकिन अगर यह किसी एक महिला को भी टेस्ट करवाने और अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित कर सके, तो मैं अपने इस कदम को सही मानूंगी। स्तन कैंसर का हर निदान व्यक्तिगत होता है। हर निदान के पीछे एक कहानी होती है–साहस, दृढ़ता और आशा की। और जब इससे किसी मशहूर हस्ती का नाम जुड़ जाता है तो आम जन को भी इसकी गंभीरता और भयावहता का एहसास सहज ही हो जाता है। एंजेलिना जोली की ब्रेस्ट कैंसर स्टोरी केवल हॉलीवुड की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए एक बड़ा संदेश बन गई।

पायरेसी को बढ़ावा न दें, कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने दर्शकों से की खास अपील

ऋषभ शेट्टी की बहुचर्चित फिल्म कांतारा चैप्टर 1 के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म को पायरेसी से बचाने ने के लिए दर्शकों से एक खास अपील की है। साथ ही फिल्म को सिनेमाघरों में देखने का अनुरोध भी किया है।

कांतारा चैप्टर 1 2 अक्तूबर, 2025 को गुरुवार के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 60 करोड़ रुपये का धांसू कलेक्शन किया। आज फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म निर्माताओं ने अपने दर्शकों से फिल्म को पायरेसी से बचाने के लिए एक खास अपील की है। होम्बले फिल्म्स ने आज एक्स पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा, प्रिय कांतारा परिवार और सिनेमा प्रेमियों, कांतारा चैप्टर 1 जितना हमारा है, उतना ही आपका भी है। आपके प्यार ने इसे सचमुच अविस्मरणीय बना दिया है। हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं कि फिल्म के वीडियो शेयर और रिकॉर्ड न करें और पायरेसी को बढ़ावा न दें। आइए, सिनेमाघरों में कांतारा का जादू बरकरार रखें, ताकि हर कोई इसे उसी तरह महसूस कर सके जैसा इसका होना चाहिए। कांतारा चैप्टर 1 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी द्वारा लिखित और निर्देशित है। होम्बले फिल्म्स के तहत विजय किरागांदुर द्वारा निर्मित यह फिल्म 2022 की कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम लेकर आ रहे तीरंदाजी का नया जोश, एपीएल में हिस्सा लेगी पृथ्वीराज योद्धा

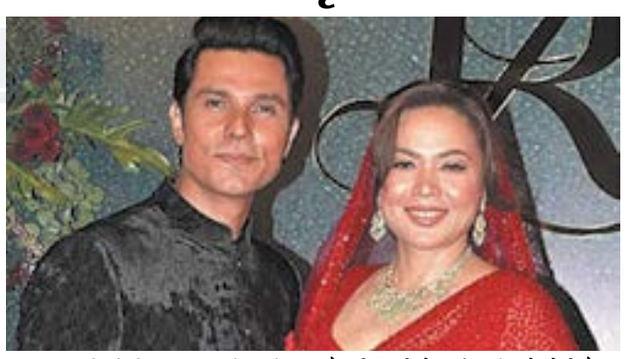

भारत में खेलों का जादू हमेशा से लोगों के दिलों में खास रहा है। हरियाणा की मिट्टी से लेकर देश के कोने-कोने तक, खेलों ने कई युवाओं को प्रेरित किया है। इस कड़ी में तीरंदाजी यानी आर्चरी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी व पूर्व राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाज लिन लैशराम की टीम पृथ्वीराज योद्धा आगामी आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में हिस्सा लेंगी। बता दें कि लिन लैशराम पृथ्वीराज योद्धा टीम की सह-मालिक हैं। एपीएल 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। रणदीप और लिन की यह साझेदारी न केवल खेल को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को भी तीरंदाजी जैसे खेल की तरफ आकर्षित करेगी। रणदीप हुड्डा ने कहा, खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। हरियाणा में बचपन से ही खेलों की संस्कृति रही है, जहां कुश्ती, हॉकी, और बॉक्सिंग जैसे खेलों ने देश का नाम रोशन किया है। मेरे लिए तीरंदाजी जैसे खेल से जुड़ना एक गर्व की बात है। तीरंदाजी में कई खासियतें होती हैं, जैसे कि ध्यान केंद्रित करना, धैर्य बनाए रखना, और मुश्किल हालात में टिके रहना; ये सभी गुण हरियाणा की खेल संस्कृति से मेल खाते हैं। मेरी पत्नी लिन का इस खेल के साथ गहरा लगाव है, जो हमारी टीम को और मजबूत बनाता है। लिन लैशराम के लिए तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक जीवन की यात्रा है। उनके पिता मणिपुर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं, जिन्होंने उन्हें बचपन से ही तीरंदाजी की दुनिया की ओर आगे बढ़ाया। लिन ने महज दस साल की उम्र में तीरंदाजी शुरू की और जल्द ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगीं। टाटा आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने कई पदक जीते और 1998 में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप भी अपने नाम की। हालांकि, चोट के कारण उन्हें प्रतियोगिता से दूरी बनानी पड़ी, लेकिन उनका खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। अब आर्चरी प्रीमियर लीग में उनका फिर से लौटना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

शरवरी वाघ ने दशहरे पर शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं। जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं। शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म बंटी और बबली 2 से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे

आईएएस अधिकारी अंकुर गर्ग होंगे संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक के सलाहकार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 04 अक्टूबर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति बावत आदेश जारी किये गये हैं। सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से नियुक्ति बावत 4 अक्टूबर 2025 को जारी आदेश में एजीएमयूटी कैडर के 2003 बैच के आईएएस अधिकारी अंकुर गर्ग की संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक के सलाहकार के रुप में नियुक्ति की गई है। इसी आदेश में एक अन्य आईएएस अधिकारी राजेश प्रसाद को चंडीगढ का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

एनडीपीसी एक्ट के आरोपी मोहनलाल पालीवाल को 13 अक्टूबर तक भेजा गया पुलिस रिमांड पर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 04 अक्टूबर। वापी में गुजरात एटीएस द्वारा की गई छापेमारी में एनडीपीसी एक्ट के आरोपी मोहनलाल पालीवाल को 13 अक्टूबर 2025 तक पुलिस रिमांड में भेजा गया है। गुजरात एटीएस द्वारा एनडीपीसी एक्ट के आरोपी मोहनलाल पालीवाल को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड की मांग की गई थी। जहां पर प्रिंसिपल सीनियर सिविल एवं एडी. चीफ ज्युडिशियल कोर्ट ने एनडीपीसी एक्ट के आरोपी मोहनलाल पालीवाल को 13 अक्टूबर 2025 तक पुलिस रिमांड में भेजने का आदेश दिया है। सरकार की ओर से सरकारी वकील मुकेश पाटणवाडिया ने पक्ष रखा था। उल्लेखनीय है कि गुजरात एटीएस ने दमण पुलिस ब्रांच और वलसाड एसओजी के साथ वापी और दमण में छापेमारी कर 5.9 किलोग्राम मेफेड्रोन जप्त करने के साथ ही भारी मात्रा में कच्चा माल और उपकरण भी बरामद किया था। इस मामले में गुजरात एटीएस ने एक आरोपी मोहनलाल पालीवाल को धरदबोचा था।

राजपूत समाज महाराणा प्रताप संघ ने तेजस्वी विद्यार्थियों और शिक्षकों का किया सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 04 अक्टूबर। राजपूत समाज महाराणा प्रताप संघ द्वारा नरोली मोक्षमार्गी प्रार्थना भवन में तेजस्वी विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें बोर्ड में 80% से अधिक अंक लाने वाले 117 तेजस्वी विद्यार्थियों और 38 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय परमार और चेतन चौहाण ने किया। महाराणा प्रताप संघ द्वारा की गई एक पहल है कि हमें किसी से कुछ नहीं लेना चाहिए बल्कि उनका सम्मान करना चाहिए जो सम्मान के हकदार हैं। यह एक अनूठी पहल है जिसका राजपूत समाज ने स्वागत किया है। सुरेन्द्र सिंह भगवान सिंह देसाई ने संघ के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

वात्सल्य संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित मोमबत्ती और मिट्टी के दिये की बिक्री के लिए लगाए गए स्टॉल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 04 अक्टूबर। दीव के वात्सल्य संस्था स्व-रोजगार केंद्र में मानसिक रूप से विकलांग बच्चों द्वारा बनाई गई मोमबत्तियां और मिट्टी के दिये दीव के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को बेचने के लिए एक विक्रय शिविर का आयोजन किया गया। प्रकाश पर्व दिवाली निकट आ रही है, जिसके उपलक्ष्य में दीव के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोघला और गैलेक्सी स्कूल दीव के वात्सल्य संस्था स्व-रोजगार केंद्र में एक विक्रय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक इनकी खरीदारी की। वात्सल्य संस्था तीनों विद्यालयों के संचालकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महाराष्ट्र में साइक्लोन शक्ति का अलर्ट

मुंबई(ईएमएस)। गुजरात के कच्छ में खाड़ी और उसके आसपास अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान बन गया है। श्रीलंका ने इसे साइक्लोन शक्ति नाम दिया है। महाराष्ट्र में 3 से 7 अक्टूबर के बीच साइक्लोन शक्ति को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इसका असर मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में दिखेगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। हवा की रफ्तार 65 किमी और इससे ज्यादा भी हो सकती है। 5 अक्टूबर तक महाराष्ट्र के तटों पर समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि शक्ति अरब सागर में मानसून के बाद का पहला चक्रवाती तूफान है। यह साइक्लोन 6 अक्टूबर की सुबह पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा की ओर वापस मुड़ जाएगा, जिससे इसका असर कमजोर हो जाएगा। दूसरी तरफ, बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे दबाव का क्षेत्र बनने से आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ आ गई। आंध्र प्रदेश में शुक्रवार को बारिश से जुड़ी तीन घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। ओडिशा के गजपति जिले में लैंडस्लाइड के कारण दो लोगों की जान गई। कई लापता हैं।

अरब सागर में उठा चक्रवात 'शक्ति' बना गुजरात के लिए खतरा, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) अरब सागर में सक्रिय हुआ इस सीज़न का पहला चक्रवात 'शक्ति' एक बार फिर गुजरात के लिए चिंता का विषय बन गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यह चक्रवात 6 अक्टूबर से यू-टर्न लेकर गुजरात की ओर बढ़ सकता है। 'शक्ति' चक्रवात के प्रभाव के चलते सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। इसके लिए मुंबई सहित गुजरात के कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। वर्तमान में यह चक्रवात द्वारका से लगभग 510 किलोमीटर दूर स्थित है और 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। प्रशासन ने पोरबंदर बंदरगाह पर समुद्र में तेज़ धाराओं के कारण नंबर 3 का सिग्नल लगाया है, साथ ही मछुआरों को अगले 5 दिनों तक समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी गई है। आईएमडी के अनुसार, यह चक्रवात फिलहाल धीमी गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इससे पहले यह महाराष्ट्र के मुंबई, रायगढ़, ठाणे, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और पालघर जैसे जिलों में तबाही मचा सकता है। हालांकि, इसका सबसे ज़्यादा असर गुजरात के तटीय इलाकों में होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 8 और 9 अक्टूबर को सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के 6 जिलों में भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। 8 अक्टूबर को जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, सूरत, नवसारी, वलसाड और 9 अक्टूबर को मुख्य रूप से वलसाड जिले में भारी बारिश की संभावना। इसके अलावा, 10 अक्टूबर तक राज्य के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। तेज़ हवाओं की चेतावनी को देखते हुए मछुआरों को अगले पांच दिनों तक समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है।

दादरा नगर हवेली पुलिस ने एटीएम कार्ड स्वैपिंग स्कैम में दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 04 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली पुलिस ने एटीएम कार्ड स्वैपिंग स्कैम मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 03 अक्टूबर 2025 को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(2), 318(4) के साथ पठित 3(5) के तहत एफआईआर संख्या 50/2025 के तहत एक मामला नरोली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। यह मामला 02/10/2025 को एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ, नरोली चार रास्ता, नरोली, दादरा और नगर हवेली के पास हुआ था। इस घटना में दो अज्ञात व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता को नकदी निकालने में मदद करने के बहाने, धोखे से उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। इसके बाद बदले गए कार्ड का इस्तेमाल करके उन्होंने धोखाधड़ी से पीड़ित के बैंक खाते से 24,500 रुपये निकाल लिए। अपराध की गंभीरता को देखते हुए दानह जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की देखरेख में एक समर्पित पुलिस दल का गठन किया गया। जांच के दौरान एटीएम बूथ और आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज एकत्र की गई और उसका विश्लेषण किया गया। फुटेज में दो संदिग्ध काले रंग की मोटरसाइकिल पर आते और पीड़ित के साथ एटीएम कार्ड बदलते दिखाई दिए। ये दृश्य मुखबिरों के बीच प्रसारित किए गए और मानव खुफिया जानकारी की मदद से संदिग्धों की पहचान ऐसे आदतन अपराधियों के रूप में हुई जो पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रहे हैं। तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपी का मोबाइल लोकेशन डुंगरा, वलसाड (गुजरात) में पाया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस दल ने दोनों आरोपियों को उनकी मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने चंदनकुमार मानिक सिंह निवासी वापी, गुजरात, मूल निवासी नवादा-बिहार एवं अयोध्या नारायण जर्नाधन प्रसाद सिंह निवासी वापी-गुजरात, मूल निवासी गया-बिहार को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से विभिन्न बैंकों के 83 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, 25000 रूपये नकद, एक विवो मोबाइल फोन, एक सेमसंग मोबाइल फोन, एक लावा कीपेड मोबाइल और हीरो स्प्लेंडर नं. जीजे 15 ईबी 2732 बरामद किया है। आरोपी चंदनकुमार मानिक सिंह के खिलाफ दमण जिले में 2 और बिहार में 4 मामले दर्ज है। जबकि आरोपी अयोध्या नारायण जर्नाधन प्रसाद सिंह के खिलाफ दमण जिलें में 2 मामले दर्ज है। दोनों आरोपी एक संगठित गिरोह के सदस्य के रूप में काम कर रहे थे और एक ही कार्यप्रणाली का उपयोग करके कई अपराध कर चुके थे। तदनुसार उपरोक्त मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 112 जोड़ी गई है। दोनों आरोपियों को 03 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया और माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सिलवासा के समक्ष पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें 07/10/2025 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इसी तरह के अपराधों के अन्य संभावित साथियों और पीड़ितों का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी है। दादरा नगर हवेली पुलिस धोखेबाजों और सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई करके नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केबीएस और नटराज कॉलेज की छात्राएं जूडो में क्लीन स्वीप जीत के साथ बनी चैंपियन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 04 अक्टूबर। चणोद कॉलोनी स्थित केशवजी भारमल सुमारिया कॉमर्स एवं नटराज प्रोफेशनल साइंसेज कॉलेज वापी में खेल के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कॉलेज के जूडो खिलाड़ियों ने 20 सितंबर 2025 को सूरत के वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के अंतर्गत आयोजित अंतर-महाविद्यालय जूडो टूर्नामेंट में चैंपियनशिप का खिताब जीतकर शानदार जीत हासिल की। यह प्रतिष्ठित आयोजन नवयुग साइंस कॉलेज सूरत द्वारा आयोजित किया गया था। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेजोड़ प्रतिभा और सामरिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। विजेता सदस्यों में शिवानी यादव (एफवाईबीएससी) ने स्वर्ण पदक जीता, कृतिका मिश्रा (एसवाईबीएससी) ने स्वर्ण पदक जीता, नंदनी धुमाडिया (एसवाईबीकॉम) ने स्वर्ण पदक जीता, आफिया खान (एफवाईबीएससी) ने रजत पदक जीता, श्रेष्ठा यादव (एमएससी केम. भाग- 2) ने कांस्य पदक जीता, कोमल सिंह (एसवाईबीसीए) ने कांस्य पदक जीता। अपने प्रभावशाली प्रदर्शन और पदकों से कॉलेज को गौरव और सम्मान दिलाया, जो शैक्षणिक वर्ष में एक यादगार जीत है। खेल प्रशिक्षण और मार्गदर्शन खेल के सहायक प्रोफेसर डॉ. मयूर पटेल एवं रोहित सिंह द्वारा दिया गया। इस प्रकार पूरे विश्वविद्यालय में कॉलेज का नाम रोशन करने के लिए प्रबंधन के साथ-साथ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूनम बी. चौहाण ने विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य की प्रतियोगिताओं में निरंतर सफलता की कामना की।

संगीतसूर्य केशवराव भोसले की 105वीं पुण्यतिथि पर मराठा सेवा संघ दानह ने आयोजित किया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 04 अक्टूबर। संगीतसूर्य केशवराव भोसले की 105वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सामरवरणी स्थित विवा सिलवासा पर मराठा सेवा संघ दादरा नगर हवेली प्रदेश स्तरीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिवश्री अनंतराव निकम, प्रदेश अध्यक्ष मराठा सेवा संघ दानह द्वारा संगीतसूर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात सभी उपस्थित पदाधिकारी, कार्यकर्तागण एवं सदस्यगणों ने पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संगीतसूर्य केशवराव भोसले कला, क्रीड़ा और सांस्कृतिक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ने संगीतसूर्य की स्मृति में उनके कला, संगीत और सांस्कृतिक क्षेत्र में अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही अन्य वक्ताओं ने बताया कि संगीतसूर्य केशवराव भोसले ने अपने कला एवं संगीत से न केवल समाज का मार्गदर्शन किया बल्कि मराठा संस्कृति को भी गौरवान्वित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संगीतसूर्य केशवराव भोसले कला, क्रीड़ा और सांस्कृतिक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किया गया। अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारी, कार्यकर्तागण एवं सदस्यगणों ने समूह चित्र लिए और सभी ने उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)